10 ईशान किसन....



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

12 जान्हवी कपूर...



रांची, सोमवार, 02 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -130 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

सीएमपीडीआई को कोल इंडिया स्तर पर मिले चार पुरस्कार, छह माह में मुनाफा 23% बढ़ा

1074.68 करोड़ रुपये पहुंचा टर्नओवर ड्रिलिंग और खनिज अन्वेषण में भी दर्ज की प्रगति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



रांची। सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) मुख्यालय में रविवार को कोल इंडिया लिमिटेड का 52वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया. इस मौके पर कंपनी की उपलब्धियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी गयी. समारोह में सीएमपीडीआई को कोल इंडिया के स्तर पर मिले चार पुरस्कारों का भी उल्लेख किया गया. वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कंपनी के टर्नओवर में 12 प्रतिशत और शुद्ध मुनाफे में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है. कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक (तकनीकी/प्लानिंग एंड डिजाइन) अजय कुमार ने कोल इंडिया का ध्वज फहराकर की. इसके बाद कॉर्पोरेट गीत प्रस्तुत किया गया. निदेशक राजीव कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, ट्रेड यूनियनों और सीएमओएआई के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे. अजय कुमार ने बताया कि सीएमपीडीआई का टर्नओवर चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में बढ़कर 1074.68 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 961.12 करोड़ रुपये था. इसी तरह शुद्ध मुनाफा 253.69 करोड़ से बढ़कर 311.11 करोड़ रुपये पहुंच गया.

ड्रिलिंग और नये खनिजों की खोज में प्रगति

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 11.50 लाख मीटर ड्रिलिंग की, जबकि लक्ष्य 11 लाख मीटर था. चालू वित्त वर्ष में सितंबर तक 5.31 लाख मीटर ड्रिलिंग पूरी की जा चुकी है. यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 12 प्रतिशत अधिक है. सीएमपीडीआई ने कोयले के अलावा मैग्नेटाइट, ग्रेफाइट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की खोज में भी काम आगे बढ़ाया है. मोजाम्बिक के टेटे ईस्ट कोल ब्लॉक की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है. वहीं, सौर ऊर्जा परियोजनाओं में 10 मेगावाट क्षमता स्थापित हो चुकी है और 145 मेगावाट पर काम जारी है.

चार श्रेणियों में मिला सम्मान

कोल इंडिया स्तर पर सीएमपीडीआई को चार पुरस्कार मिले. क्षेत्रीय संस्थान-7, भुवनेश्वर के कोसला कैंप को सर्वश्रेष्ठ ड्रिलिंग कैंप का पुरस्कार दिया गया. क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची के क्षेत्रीय निदेशक कंचन सिन्हा को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय निदेशक चुना गया. मुख्यालय के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार को सर्वश्रेष्ठ एचओडी और महाप्रबंधक सुदर्शन प्रसाद को व्यक्तिगत उत्कृष्टता पुरस्कार मिला.

रांची जिला अंतरविद्यालयी ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सेक्रेड हार्ट की वंशा राजपूत ने जीता कांस्य पदक

वरीय संवाददाता।



रांची। रांची के सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित नौवीं बी.के. बिरला रांची जिला अंतरविद्यालयी ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2026-27 में सेक्रेड हार्ट स्कूल की प्रतिभाशाली खिलाड़ी वंशा राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी भार श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय एवं परिवार में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में रांची जिले के लगभग 30 विद्यालयों के 400 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्गों में किया गया। इसमें खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में रांची जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव श्री मिथिलेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें बेहतर मंच प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने आयोजन में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्या, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं रेफ्रियों के सामूहिक सहयोग से प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन संभव हो पाया। उनका सहयोग खिलाड़ियों एवं आयोजकों के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहा है।

वहीं, सरला बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या, रांची जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव श्री मिथिलेश सिंह तथा कोच अविनाश राम ,मिलेनियम ने सेक्रेड हार्ट स्कूल की वंशा राजपूत को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कड़ी मेहनत के बल पर सफलता की नई ऊंचाइयों को हासिल किया जा सकता है। वंशा राजपूत की यह उपलब्धि न केवल उनके विद्यालय, बल्कि रांची जिले के उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में अमित शाह हुए शामिल, बोले-

'अगर देश का कोई केंद्र शासित प्रदेश नशा-मुक्त बनता है, तो वो सबसे पहले चंडीगढ़ होगा'

एजेंसी।



चंडीगढ़। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चंडीगढ़ के दौरे पर हैं. यहां वो चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस यानी रेजिंग-डे के कार्यक्रम में शामिल हुए. करीब 5 घंटे अमित शाह चंडीगढ़ में रहेंगे. इस दौरान उन्होंने सेक्टर-17 के तिरंगा पार्क में आयोजित समारोह में भव्य परेड की सलामी ली. अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपनी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस कलर्स सम्मान से सम्मानित किया. राष्ट्रपति की ओर से स्वीकृत ये सम्मान चंडीगढ़ पुलिस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है. इस दौरान अमित शाह ने कहा कि 'मुझे उम्मीद है कि अगर देश का कोई केंद्र शासित प्रदेश नशा-मुक्त बनता है, तो वो सबसे पहले चंडीगढ़ होगा'.

अमित शाह ने शहीदों को किया नमनः

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं सभी शहीदों को नमन करता हूं. कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देना ना केवल एक जवान के लिए, बल्कि उस संगठन के लिए भी गर्व की बात है, जिससे वह जुड़ा है. 1966 से, चंडीगढ़ पुलिस ने शहर की सुरक्षा के लिए अथक प्रयास किए हैं और देश के पुलिसिंग इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है. 141 नए वाहनों के शामिल होने से पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम, गश्त, आवाजाही और आधुनिक पुलिसिंग और मजबूत होगी. रिस्पॉन्स टाइम के मामले में चंडीगढ़ पुलिस अभी देश में दूसरे स्थान पर है, और मुझे पूरा विश्वास है कि अगले साल यह पहले स्थान पर आ जाएगी. इस बल ने आतंकवाद से निपटने में अनुकरणीय साहस दिखाया है और पंजाब तथा हरियाणा पुलिस के साथ बेहतर तालमेल बिठाकर ट्राईसिटी (चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला) की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संभाला है. मैं चंडीगढ़ पुलिस को उनकी 'बीट पुलिसिंग' के लिए भी बधाई देता हूं, जिसे मैं पूरे देश के लिए एक उदाहरण मानता हूं।

चंडीगढ़ पुलिस ने अच्छा काम किया है- गृहमंत्रीः

हीरक जयंती समारोह और चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति सम्मान समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ₹चंडीगढ़ भारत का एक नियोजित शहर है, जो शिवालिक पहाड़ों की तलहटी में स्थित है. हालांकि, जब आतंकवाद का युग शुरू हुआ, तो चंडीगढ़ अब इससे अछूता नहीं था. उस कठिन समय के दौरान, चंडीगढ़ पुलिस ने साहस दिखाया और न केवल चंडीगढ़, बल्कि पूरे देश को आतंकवाद से बचाने के लिए कार्रवाई की. 1 नवंबर, 1966 से, चंडीगढ़ ने केंद्र शासित प्रदेश के रूप में कार्य किया है और पंजाब और हरियाणा की साझा राजधानी. दोनों राज्यों की संवैधानिक संस्थाएं, उनके मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी यहां स्थित हैं. चंडीगढ़ पुलिस ने, हरियाणा पुलिस और पंजाब पुलिस के समन्वय में, इस त्रि-शहर का प्रबंधन करने में अच्छा काम किया है.

2085 सीसीटीवी का नेटवर्क स्थापितः

1 नवंबर 1966 को स्थापित चंडीगढ़ पुलिस ने पिछले 6 दशकों में आधुनिक और तकनीक आधारित पुलिस बल के रूप में अपनी पहचान बनाई है. अपराधों की जांच, आतंकवाद विरोधी अभियान, साइबर अपराध पर नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा और नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस ने कई कदम उठाए हैं. शहर में निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2085 सीसीटीवी का नेटवर्क स्थापित किया है. पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के जरिए निगरानी, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है.

हरियाणा दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू का कुरुक्षेत्र दौराः भद्रकाली मंदिर में की पूजा

गीता का अमर संदेश इसी पावन धरती से विश्व में फैला : राष्ट्रपति

एजेंसी।



कुरुक्षेत्र। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज कुरुक्षेत्र के दौरे पर हैं. वो शनिवार देर शाम ही अंबाला पहुंच गईं थी. जहां सीएम नायब सैनी और राज्यपाल असीम घोष ने उनका स्वागत किया. राष्ट्रपति ने शक्तिपीठ देवी कूप भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की. इसके बाद वो कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी पहुंची, जहां हरियाणा की 60 साल की विकास यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी देखी. इसके बाद राष्ट्रपति गुरुकुल कुरुक्षेत्र में महान स्वतंत्रता सेनानी स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भी शिरकत की. इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राष्ट्रपति का हरियाणा आने पर स्वागत किया. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा ₹हरि की पावन धरा हरियाणा में पधारने पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन ! हरियाणा दिवस के अवसर पर कुरुक्षेत्र में आयोजित होने जा रहे प्रदेश के 60वें स्थापना दिवस समारोह में आपकी गरिमामयी उपस्थिति समस्त हरियाणावासियों के लिए गौरव और हर्ष का विषय है।

इस मौके पर सीएम नायब सैनी ने कहा राष्ट्रपति महोदय गीता की धरती पर तीन करोड़ लोगों को उस समय आशीर्वाद देने आई, जब हरियाणा ने प्रगति के 60 वर्ष पूर्ण किए हैं. मैं दिल की गहराईयों से महामहिम का वंदन, अभिनंदन और स्वागत करता हूं. भारत में सपने गांव की मिट्टी में जन्म लेते हैं. जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण देश की राष्ट्रपति हैं. यही लोकतंत्र की ताकत है. कुरुक्षेत्र एक शहर नहीं भारत की आत्मा है. यहां गीता का अजर अमर संदेश दिया गया. जो मानवता का आध्यात्मिक प्रकाश है. 60 वर्ष पहले जब हरियाणा बना. पिछड़ा इलाका कहा जाता था. आज देश के अग्रणी प्रदेश है. हरियाणा के किसानों ने अन्न भंडार, पशु पालकों ने श्वेत क्रांति, जवान देश के लिए खड़े, खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराया. देश की 3.6%जीडीपी में हिस्सा हरियाणा से है. देश की हर दूसरी कार व दूसरा ट्रैक्टर तथा 6 मोटरसाइकिल हरियाणा में बनती हैं. देश की थाली बासमती 60 प्रतिशत योगदान है.

उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती ने हर क्षेत्र में प्रतिभाओं को जन्म दिया है। प्रदेश के अनेक प्रतिभाशाली व्यक्तियों को पद्म सम्मान प्रदान करने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ है। इसमें साहित्य, लोककला, समाज सेवा और शिक्षा के साथ-साथ खेल, पैरा तीरंदाजी और विज्ञान क्षेत्रों से जुड़े लोग हैं। प्रतिभा और शौर्य से यह प्रदेश सदा समृद्ध रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाली संतानों की जननी इस वीरभूमि ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए भी सदैव बढ़-चढकर योगदान किया है। देश की सेना को लगातार समर्पित और साहसी सैनिक देने की परंपरा यहाँ आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि अपनी स्थापना के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में आज हरियाणा तेजी से आगे बढ़ रहा है।





आज का विचार

झारखण्ड उजाला



राजा रणधीर सिंह
भोजपुरी गायक

वर्तमान समय में भोजपुरी सिनेमा और भोजपुरी संगीत का आकर्षण आम जनमानस के बीच तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा श्रेय भोजपुरी गायक-गायिकाओं और कलाकारों को जनता से मिल रहे अपार प्यार, स्नेह और सम्मान को जाता है। भोजपुरी भाषा और संस्कृति की लोकप्रियता अब देश की सीमाओं से आगे बढ़ रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह दिन दूर नहीं, जब भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री अपनी प्रतिभा, लोकप्रियता और गुणवत्ता के दम पर बॉलीवुड को भी कड़ी टक्कर देगी। साथ ही, छोटे-बड़े सभी भोजपुरी कलाकारों और गायक-गायिकाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान, प्रतिष्ठा और उचित सम्मान प्राप्त होगा। भोजपुरी की असली ताकत उसकी भाषा, संस्कृति और करोड़ों दर्शकों का अटूट प्रेम है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**
चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,459.53**
निफ्टी :- **23,053.30**

मौसम

अधिकतम तापमान : **27**
न्यूनतम तापमान : **20**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:54**
संध्या :- **17:10**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1936 को ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने दुनिया की पहली नियमित टेलीविजन सेवा की शुरूआत की।

संक्षिप्त समाचार

रांची में हत्याकांड के पांच आरोपी गिरफ्तार, जमीन विवाद के चलते उतारा था मौत के घाट

रांची। राजधानी के मांडर थाना क्षेत्र के टिको टोली गांव में 55 वर्षीय रामू उरांव की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है. इस हत्याकांड में पुलिस ने अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस जांच में हत्या की वजह जमीन विवाद सामने आई है. मृतक रामू उरांव और आरोपियों के बीच पिछले करीब 10 सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था. इसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने साजिश रचकर रामू उरांव को मौत के घाट उतारा दिया. ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि घटना 29 अक्टूबर 2026 की है. मांडर थाना क्षेत्र के टिको टोली गांव स्थित डेयरी के पास सेवाडीह निवासी रामू उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. घटना की सूचना मिलते ही मांडर थाना प्रभारी, खलारी डीएसपी और आसपास के थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. मृतक की पत्नी के लिखित आवेदन के बाद मांडर थाना में कांड संख्या 113/26 के तहत मामला दर्ज किया गया.

रांची पुलिस ने पिठौरिया मर्डर केस का किया खुलासा, होटल मालिक समेत दो गिरफ्तार

रांचीः राजधानी रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में कृष्णा स्वीट्स के सेल्समैन बानेश्वर गोराई उर्फ राहुल की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है. इस हत्याकांड में पुलिस ने होटल के मालिक कृष्णा कुमार उर्फ लंगडू और होटल के सफाईकर्मी अमित कुमार उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, आपसी विवाद और आर्थिक नुकसान से नाराज होटल मालिक ने सफाईकर्मी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी. वारदात को अंजाम देने के बदले सफाईकर्मी को 50 हजार रुपये देने की बात तय हुई थी, जिसमें सात हजार रुपये एडवांस दिए गए थे. रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी के अनुसार, 29 और 30 अक्टूबर की दरम्यानी रात पिठोरिया थाना क्षेत्र के करकट्टा मोड़ के पास बानेश्वर गोराई की हत्या कर दी गई थी.

रोटरी रामगढ़ सिटी का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

आकर्षक सजावट, लजीज व्यंजनों, तंबोला और मनोरंजक खेलों के बीच रोटरी परिवार ने मनाया दीपावली उत्सव



रामगढ़। रोटरी क्लब रामगढ़ सिटी (डिस्ट्रिक्ट 3250) की ओर से शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को होटल अरिहंत पैलेस, रामगढ़ में भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ किया गया। समारोह में क्लब के सदस्यों ने सपरिवार भाग लिया। सुंदर सजावट, स्वादिष्ट व्यंजनों, मनोरंजक खेलों और आपसी मेलजोल से सजी इस शाम में रोटरी परिवार ने दीपावली की खुशियां साझा कीं।

मनमोहक सजावट और सेल्फी पॉइंट ने बढ़ाई समारोह की रौनक

होटल अरिहंत पैलेस को दीपावली की थीम पर बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी, खूबसूरत सजावट और उत्सवी माहौल ने समारोह की रौनक बढ़ा दी। विशेष रूप से तैयार किया गया सेल्फी पॉइंट आकर्षण का केंद्र रहा, जहां सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने तस्वीरें लेकर यादगार पलों को कैमरे में कैद किया।

लजीज व्यंजनों का सभी ने उठाया भरपूर लुत्फ

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण होटल अरिहंत पैलेस में की गई स्वादिष्ट व्यंजनों की शानदार व्यवस्था रही। विभिन्न लजीज पकवानों का सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने भरपूर आनंद उठाया। बेहतरीन भोजन, आकर्षक प्रस्तुति और खुशनुमा वातावरण ने इस दीपावली मिलन की शाम को और भी यादगार बना दिया। सभी ने साथ बैठकर भोजन का आनंद लेते हुए आपसी आत्मीयता और पारिवारिक सौहार्द के खूबसूरत पल बिताए।

तंबोला और मनोरंजक खेलों ने बांधा समां

समारोह में मनोरंजन के लिए तंबोला सहित विभिन्न रोचक खेलों का आयोजन किया गया। सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों और कपल्स के लिए भी विशेष मनोरंजक खेल आयोजित किए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलों के दौरान हंसी-मजाक और उत्साह का माहौल बना रहा। विजेताओं को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया।

फेलोशिप सहयोगियों का अध्यक्ष रो. राजू अग्रवाल ने किया विशेष अभिनंदन

कार्यक्रम के दौरान क्लब अध्यक्ष ने सभी सदस्यों की सपरिवार उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रोटरी केवल एक सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि एक आत्मीय परिवार है, जिसकी असली ताकत सदस्यों के बीच प्रेम, सहयोग और एकजुटता है। सभी सदस्यों के उत्साह और सहयोग ने समारोह को यादगार बना दिया।इस अवसर पर फेलोशिप के लिए विशेष सहयोग प्रदान करने वाले रो. रोहित पंसारी, रो. सूरज अग्रवाल, रो. अजय कुमार अग्रवाल एवं रो. कृष्णा बंसल का विशेष अभिनंदन किया गया।

रोटरी परिवार के सदस्यों की रही गरिमामयी उपस्थिति समारोह में रो. हरीश कुमार चौधरी, रो. उमेश राजगारिया, रो. वरुण बगड़िया, रो. सूरज अग्रवाल, रो. रोहित पंसारी, रो. प्रकाश अग्रवाल, रो. विकास अग्रवाल, रो. रवि अग्रवाल, रो. दीपक अग्रवाल, रो. दीपक खंडेलवाल, रो. तरुण अग्रवाल, रो. कृष्णा बंसल, रो. रूपेश गुप्ता, रो. अजय कुमार अग्रवाल, रो. पंकज जैन, रो. मनोज मोदी, रो. अनिल गोयल, रो. डॉ. राहुल बेरलिया, रो. सुरेश अग्रवाल, रो. आदर्श चौधरी, रो. भरत गोयल, रो. राजकुमार अग्रवाल एवं रो. विशाल अग्रवाल सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। महिला सदस्यों में रिंकी अग्रवाल, श्वेता बगड़िया, नीरू गोयल, सोनू अग्रवाल, अनीता राजगारिया, नेहा अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, प्रियंका खंडेलवाल, निशा मोदी, श्वेता जैन, निधि चौधरी, स्वाति पंसारी, संतोष बंसल, नीति बेरलिया, विनीता गुप्ता, सीमा अग्रवाल, स्वीटी अग्रवाल, ज्योति गोयल एवं ज्योति अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सचिव रो. सुमन चौधरी ने जताया आभार

समारोह के अंत में सचिव रो. सुमन चौधरी ने सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की शुभकामनाओं के साथ हुआ। सुंदर सजावट, स्वादिष्ट व्यंजनों और मनोरंजन से भरपूर इस आयोजन ने रोटरी परिवार के बीच आपसी प्रेम, मित्रता और एकता को और मजबूत किया।

थाने में महिला की सुरक्षा पर उठे सवाल, भाजपा ने सड़क पर उतर जताया विरोध

गम्हरिया की घटना को लेकर पतरातू मंडल ने किया मुख्यमंत्री का पुतला दहन, महिलाओं की सुरक्षा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की उठाई मांग



पतरातू : झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा पतरातू मंडल के कार्यकताओं ने रविवार को राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर गम्हरिया थाना परिसर में महिला के साथ हुई कथित दुष्कर्म की घटना पर आक्रोश जताया। कार्यकताओं ने कहा कि सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र में बीते 29 अक्टूबर की रात एक महिला घरेलू हिंसा की आशंका को लेकर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाने थाने पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान थाना परिसर में ही उसके साथ दुष्कर्म किया गया। मामले में थाने में पदस्थापित वायरलेस संचालक नीरज लकड़ा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, जांच के बाद थाना प्रभारी समेत छह पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निलंबित किया गया है। भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि आम लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिस तंत्र के परिसर में इस तरह की घटना सामने आना बेहद गंभीर विषय है। इससे महिलाओं की सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। कार्यकताओं ने राज्य सरकार से कानून-व्यवस्था में सुधार लाने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने तथा मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में भाजपा पतरातू मंडल अध्यक्ष रंजन कुमार भगत, राजा राम प्रजापति, जिला परिषद सदस्य, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष वारिश खान, मंडल मंत्री राहुल कुमार सिंह, विजय सिंह, पंकज सिंह, गोविंद तिवारी, अशोक ठाकुर, अनिकेत आनंद, किशोर महतो, विनोद पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरना धर्म कोड को जनगणना में जगह नहीं मिली तो सड़क पर उतरेगा आदिवासी समाज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: जनगणना में सरना धर्म कोड को अलग कॉलम में शामिल करने की मांग को ले रविवार को समाहरणालय मैदान में आदिवासी समाज की विशाल सभा आयोजित हुई। आदिवासी छात्र संघ केंद्रीय समिति, रांची एवं सरना प्रार्थना सभा जिला समिति, लोहरदगा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सभा में झारखंड सरकार के मंत्री चमरा लिंडा ने केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरना धर्म कोड आदिवासी समाज की धार्मिक पहचान, संस्कृति और अस्तित्व से जुड़ा सवाल है। जनगणना में इसके लिए अलग कॉलम होना जरूरी है, ताकि आदिवासी समाज की वास्तविक धार्मिक पहचान दर्ज हो सके। उन्होंने कहा कि मांग को उपायुक्त के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाया जाएगा। मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि जब तक जनगणना में सरना धर्म कोड को अलग कॉलम में जगह नहीं मिलती, आंदोलन जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो आदिवासी समाज सड़क पर डेरा डालेगा, बिस्तर बिछाएगा और वहीं चूल्हा जलाकर खाना बनाएगा, लेकिन अपनी मांग से पीछे नहीं हटेगा। केंद्र सरकार को हमारी मांग माननी ही होगी।

सभा में परिसीमन के विरोध का मुद्दा भी उठा। वक्ताओं ने आदिवासी समाज की धार्मिक पहचान, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के सदस्य मौजूद थे।

भारतमाला परियोजना सड़क किनारे मिला 24 वर्षीय युवक का शव, इलाके में सनसनी; जांच में जुटी पुलिस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिले के गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत भारतमाला परियोजना के पेटरवार रोड (सोसो के समीप) एक 24 वर्षीय युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के बीच हड़कंप मच गया और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान रोहित सिंह (24 वर्ष), पिता संतोष सिंह, निवासी सोसो पंचायत के रूप में की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रामगढ़ भेजा गया शव

घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन की त्वरित मदद से युवक को तुरंत गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेज दिया है।

मौत के कारणों पर संशय, जांच जारी

युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई है, यह फिलहाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस रहस्यमयी मौत को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रशासनिक जांच के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जनप्रतिनिधियों ने दी सांत्वना

इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार का ढांढस बंधाया। इस दौरान पंचायत समिति प्रतिनिधि गुलाम उर्फ भुषण और सोसो पंचायत के मुखिया लाइक आलम प्रमुख रूप से मौजूद रहे। दोनों ने इस दुख की घड़ी में शोकसंप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चरङ्क के तहत 135 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जन्मदिवस के अवसर पर अधिकारी कर्मचारी को मिला एक-एक पौधे का उपहार





रामगढ़: बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, रामगढ़ में अक्टूबर माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 135 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चरङ्क और ङ्कवन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलसङ्क थीम के तहत 31 अक्टूबर को सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया। इस समारोह में जीएफए,एचएसपीए, हेड ऑफिस तथा एमडीएच ऑफिस,रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया।समारोह की खास बात यह रही की हर जन्मदिवस मनाने वाले अधिकारी और कर्मचारी को पर्यावरण विभाग के द्वारा एक एक पौधे का वितरण किया गया जिससे वे अपने घर मे लगाएंगे। यह अनूठा प्रयास बीएफसीएल द्वारा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में उसकी प्रतिबद्धता दशार्ता है।इस विशेष अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही । उनकी उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया,कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान केक कटिंग की गई, शुभकामना संदेश दिए गए तथा सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई।वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास और पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते हैं।बीएफसीएल अपने प्रत्येक कर्मचारी को परिवार का हिस्सा मानता है और उनकी खुशियों को अपनी सफलता का अभिन्न अंग समझता है। प्रबंधन ने सभी जन्मदिन मनाने वाले कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

कैथा क्रिकेट महासंग्राम में तेलियातु इलेवन की शानदार जीत

9 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

खेल से बढ़ता है अनुशासन, एकता और भाईचारा: विजय साहू





रामगढ़। सोहराय पर्व के शुभ अवसर पर रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 26 स्थित कैथा स्कूल ग्राउंड में क्रिकेट महासंग्राम टूनार्मेंट का आयोजन किया गया। टूनार्मेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मुकाबले को देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। टूनार्मेंट का पहला मुकाबला विजय इलेवन नेवरी और आरा कांटा के बीच खेला गया, जिसमें विजय इलेवन नेवरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला सूतरी और तेलियातु इलेवन के बीच हुआ, जिसमें तेलियातु इलेवन ने जीत दर्ज की। वहीं दिन का तीसरा और रोमांचक मुकाबला विजय इलेवन नेवरी तथा तेलियातु इलेवन के बीच खेला गया। इस मुकाबले में तेलियातु इलेवन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। आज के मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संदीप को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैच में अंपायर की भूमिका शिबू महतो एवं सुमन कुमार ने निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में JLKM पार्टी के केंद्रीय महासचिव विजय साहू तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के जिला महासचिव गिरीशंकर महतो, प्रखंड अध्यक्ष प्रयाग महतो एवं राजेश महतो उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विजय साहू ने कहा कि क्रिकेट जैसे खेलों के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलती है और ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से JLKM पार्टी रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह युवा मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष पानेश्वर कुमार महतो, केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, ध्यान चंद महतो, एम. रहमान, मुनिनाथ महतो, राजेंद्र महतो सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं आयोजन समिति की ओर से संयोजक शिव कुड़मी, अध्यक्ष सुमन कुमार महतो, सचिव मनीष कुमार महतो, कोषाध्यक्ष टिकु पटेल, उपाध्यक्ष आशीष कुमार महतो, सहसचिव रोमियो पटेल एवं उपकोषाध्यक्ष शिबू कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संरक्षक के रूप में देवधारी महतो, सुदर्शन महतो, रामप्रकाश महतो, ध्यानचंद महतो, संतोष महतो एवं सिकंदर महतो उपस्थित रहे। सोहराय पर्व के अवसर पर आयोजित इस क्रिकेट महासंग्राम ने ग्रामीण क्षेत्र में खेल के प्रति उत्साह को बढ़ावा देने के साथ-साथ आपसी सौहार्द, सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

पीवीयूएनएल ने पतरातू को दी विकास और स्वास्थ्य की नई सौगात





दो तालाबों के विकास के साथ प्रखंड को मिली आधुनिक जीवन रक्षक एम्बुलेंस, सांसद मनीष जायसवाल और विधायक रोशन लाल चौधरी की मौजूदगी में हुई पहल

पतरातू: क्षेत्र के समग्र विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को पतरातू क्षेत्र के जोड़ा तालाब एवं पांडे तालाब के विकास कार्यों के साथ पतरातू प्रखंड को एक आधुनिक जीवन रक्षक एम्बुलेंस प्रदान की गई। इस अवसर पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल एवं बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. सहगल भी मौजूद थे।पीवीयूएनएल की इस पहल से क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ दोनों तालाबों का विकास होगा, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। वहीं, आधुनिक जीवन रक्षक एम्बुलेंस की उपलब्धता से प्रखंड क्षेत्र की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। गंभीर रूप से बीमार मरीजों और दुर्घटना में घायल लोगों को समय पर अस्पताल पहुंचाने तथा बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में यह एम्बुलेंस काफी सहायक साबित होगी।इस अवसर पर पीवीयूएनएल की ओर से क्षेत्र के विकास और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई। कंपनी की यह पहल जल संरक्षण, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में सराहनीय कदम है। इससे स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने के साथ क्षेत्र के विकास को भी नर्ट गति मिलेगी।

रामगढ़ जिले में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई JTET 2026 परीक्षा



दो पालियों में आयोजित परीक्षा में कुल 19,050 अभ्यर्थी हुए शामिल जिला प्रशासन की सतर्कता और पुख्ता व्यवस्थाओं के बीच 50 परीक्षा केंद्रों पर हुआ सफल संचालन

रामगढ़। झारखंड अधिविध परिषद (JAC) द्वारा आयोजित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (JTET) 2026 रामगढ़ जिले में पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो गई। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल संचालन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थीं, जिसके तहत जिले के सभी 50 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की गई। दो पालियों में हुआ परीक्षा का आयोजन जिला प्रशासन से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा का संचालन दो पालियों में किया गया:

प्रथम पाली: इस पाली में कुल 13,734 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, जिसमें से 12,851 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 883 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए।

द्वितीय पाली: इस पाली में कुल 6,559 अभ्यर्थियों में से 6,199 अभ्यर्थी शामिल हुए तथा 360 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।दोनों पालियों को मिलाकर कुल 20,293 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 19,050 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि कुल 1,243 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

जिला प्रशासन की रही कड़ी निगरानी: परीक्षा को पूरी तरह कदाचारमुक्त और निष्पक्ष बनाने के लिए उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज के निर्देश पर सभी केंद्रों पर चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, सुरक्षा पुख्ता करने, सीसीटीवी कैमरों से लाइव निगरानी रखने और परीक्षार्थियों की सघन फ्रिस्किंग (तलाशी) करने जैसे सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया गया।शांतिपूर्ण और सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत द्वारा लगातार तैयारियों की समीक्षा की जा रही थी। साथ ही, परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और केंद्राधीक्षकों की मुस्तैद तैनाती की गई थी। प्रशासनिक सतर्कता और बेहतर तालमेल के कारण रामगढ़ जिले में JTET 2026 की यह महत्वपूर्ण परीक्षा बिना किसी व्यवधान के सफलतापर्वक संपन्न हो गई।

वनस्पति विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. प्रसंजित मुखर्जी को मिला सम्मान



IBS-AIBC Companion Award–2026 से हुए सम्मानित

लोहरदगा: झारखंड के प्रख्यात वनस्पति वैज्ञानिक एवं करमचंद भगत कॉलेज, बेड़ो के प्राचार्य डॉ. प्रसंजित मुखर्जी को वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं दीर्घकालीन योगदान के लिए प्रतिष्ठित IBS-AIBC Companion Award–2026 से सम्मानित किया गया है। भारतीय वनस्पति सोसायटी की 49वीं वार्षिक एवं अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह में रविवार को उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।भारतीय वनस्पति सोसायटी की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'एडवांसेज इन प्लांट साइंसेज एंड एक्सेलेरेटिंग सस्टेनेबल इनोवेशंस फॉर बायोएनर्जी' का आयोजन 1 से 3 नवंबर तक किया जा रहा है। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में डॉ. मुखर्जी को उनकी उल्लेखनीय शोध उपलब्धियों और वनस्पति विज्ञान में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।उन्हें यह सम्मान भारतीय वनस्पति सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. शांति शर्मा, सचिव डॉ. शेषु लवानिया, केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. पी. गिरिधर तथा मां शाकुंभरीविश्वविद्यालय, सहारनपुर की कुलपति डॉ. वाई. विमला ने संयुक्त रूप से प्रदान किया।डॉ. प्रसंजित मुखर्जी ने रांची विश्वविद्यालय से डॉ. ज्योति कुमार के निर्देशन में डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त की है। वे वनस्पति वर्गिकी, पादप पारिस्थितिकी, आर्द्रभूमिपारिस्थितिकी तथा झारखंड की जलीय एवं स्थलीय वनस्पतियों के अध्ययन और संरक्षण के क्षेत्र में अपने महत्वपूर्ण शोध कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उनके दीर्घ कालीन शोध एवं अकादमिक योगदान से झारखंड की समृद्ध जैव विविधता के वैज्ञानिकदस्तावेजीकरण और संरक्षण को नई दिशा मिली है।उनकी इस उपलब्धि पर पीएचडी शोध निर्देशक डॉ. टी. घोष, डीएससी शोध निर्देशक एवं रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ज्योति कुमार, पूर्व कुलपति डॉ. कामिनी कुमार, वर्तमान कुलपति डॉ. सरोज शर्मा, कुलसचिव डॉ. राजकुमार शर्मा, डॉ. एम.जी. तिवारी सहित कई शिक्षाविदों एवं गणमान्य लोगों ने बधाई दी है। डॉ. मुखर्जी की यह उपलब्धि करमचंद भगत कॉलेज, बेड़ो, रांची विश्वविद्यालय और पूरे झारखंड के लिए गौरव का विषय है। उनकी सफलता से राज्य में उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और वनस्पति विविधता के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

रांची में 'द रॉयल रास' डांडिया नाइट का भव्य आयोजन, Ranchi Events ने रचा यादगार उत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।





रांची। नवरात्रि के पावन अवसर पर Ranchi Events के तत्वावधान में 16 अक्टूबर को द रॉयल हाइट बैंक्वेट हॉल, वेंडर मार्केट, राँची में भव्य "The Royal Raas – Dandiya Night" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राँचीवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और डांडिया, गरबा, संगीत एवं मनोरंजन से भरपूर शाम का आनंद लिया। कार्यक्रम का आयोजन कोतवाली थाना, अपर बाजार, राँची से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद किया गया। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को विशेष प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती एवं सीसीटीवी निगरानी सहित आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए गए, जिससे प्रतिभागियों और दर्शकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित माहौल मिल सके।

डांडिया के साथ डांस, अवॉर्ड शो और मनोरंजन की भरपूर शाम

The Royal Raas में केवल डांडिया और गरबा ही नहीं, बल्कि कई शानदार डांस परफॉर्मेंस, स्टेज प्रस्तुतियां, अवॉर्ड शो एवं विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों और दर्शकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया और देर शाम तक उत्सवी माहौल बना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती महुआ माजी रहीं। उनके गरिमामयी सानिध्य ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन में अनिल कुमार, गीता देवी, प्रेरणा कौर, अजय सिंह, नवीन प्रकाश एवं मीनाक्षी प्रकाश सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के Title Sponsor – ARK Fabrication रहे। वहीं Jharkhand Ujala, Genext Infotech, Rainbow River Waterpark, RK Golds एवं Neelima Homes ने आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

Ranchi Events की शानदार पहल

इस भव्य आयोजन के माध्यम से Ranchi Events ने राँची में एक ऐसा मंच तैयार करने का प्रयास किया, जहाँ लोग नवरात्रि की परंपरा, संगीत, नृत्य और मनोरंजन का एक साथ आनंद ले सकें। आयोजन को सफल बनाने में प्रायोजकों, गणमान्य अतिथियों, कलाकारों, डांस परफॉर्मर्स, सुरक्षा टीम, आयोजन टीम, सहयोगियों और कार्यक्रम में शामिल हुए हजारों दर्शकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। Ranchi Events के संचालक पीयूष कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी अतिथियों, प्रायोजकों, सहयोगियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "The Royal Raas की सफलता राँचीवासियों के प्यार, विश्वास और सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी अतिथियों एवं सहयोगी ब्रांड्स के प्रति विशेष धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि Ranchi Events भविष्य में भी राँची में ऐसे भव्य, सुरक्षित और यादगार आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

संक्षिप्त खबर

झारखंड फुटबॉल की कमान अब सांसद प्रदीप वर्मा के हाथों में, शबाना रब्बानी बनीं सचिव

रांची। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन में करीब 23 साल बाद बड़ा बदलाव देखने को मिला है। गिरिडीह में आयोजित एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में बीजेपी के राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा को झारखंड फुटबॉल संघ का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। वहीं, सचिव पद की जिम्मेदारी शबाना रब्बानी को सौंपी गई है। एनुअल जनरल मीटिंग में झारखंड के 22 जिलों के अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। बैठक के दौरान नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर चुनावी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन की नई टीम की आधिकारिक घोषणा की। नई टीम से राज्य में फुटबॉल के विकास, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और फुटबॉल गतिविधियों को बढ़ावा देने की उम्मीद की जा रही है। नई कमेटी इस प्रकार हैः -अध्यक्षः प्रदीप कुमार वर्मा, उपाध्यक्षः मोहम्मद अजहर अंसारी, उपाध्यक्षः मुकुल चौधरी, उपाध्यक्षः नूपुर टोप्पो, मानद सचिवः शबाना रब्बानी, कोषाध्यक्षः सैयद शाह आफताब अहमद, संयुक्त सचिवः आशा कुमारी, संयुक्त सचिवः मोहम्मद मसूर आलम, कार्यकारिणी सदस्यः- सुभाष रजक, साजिद अहमद, नवनीत ओझा आदि थे।

भाजपा की राजनीति धर्म के नाम पर वोट हासिल करने तक सीमित : कांग्रेस

रांची : दीपावली और छठ महापर्व से पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर झारखंड कांग्रेस कमेटी के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति करती है, जबकि सत्ता में आने के बाद आम जनता को महंगाई की मार झेलने के लिए छोड़ देती है। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण त्योहारों से ठीक पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाना सरकार की संवेदनहीनता को दशार्ता है। इसका असर छोटे दुकानदारों, होटल संचालकों, ठेला-खोमचा चलाने वालों और छोटे कारोबारियों पर पड़ेगा। राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति धर्म के नाम पर वोट हासिल करने और सत्ता में बने रहने तक सीमित हो गई है। जनता को धार्मिक नारों और चुनावी दिखावे की नहीं, बल्कि महंगाई से राहत, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दीपावली पर दीप जलेंगे और छठी मैया की आराधना होगी, लेकिन महंगाई के खिलाफ जनता का आक्रोश भी बढ़ता रहेगा।

विद्या ज्योति स्कूल के संस्थापक तरुण महतो के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर



सोनाहातू। विद्या ज्योति इंग्लिश मीडियम स्कूल के संस्थापक तरुण महतो के आकस्मिक निधन की खबर से सोनाहातू एवं आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। अंतिम संस्कार में भी क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने शामिल होकर उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। तरुण महतो सरल, सहज, मिलनसार और सुलझे हुए व्यक्तित्व के धनी थे। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्या ज्योति इंग्लिश मीडियम स्कूल की स्थापना कर उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा के प्रसार की दिशा मंग सराहनीय पहल की। इसके अलावा वे पूर्व में समाजसेवा से भी जुड़े रहे और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा आगे रहते थे। बताया जाता है कि उन्होंने कई लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए वे सदैव तत्पर रहते थे। उनका मानना था कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना प्रत्येक व्यक्ति का सामाजिक दायित्व है। अपने सरल व्यवहार, सहयोगी स्वभाव और सामाजिक कार्यों के कारण तरुण महतो ने क्षेत्र के लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनके आकस्मिक निधन से परिवार के साथ-साथ विद्यालय परिवार और पूरे क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों ने उनके सामाजिक एवं शैक्षणिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान माहौल गमगीन रहा और कई लोगों की आंखें नम हो गईं।

अफीम की अवैध खेती के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान



तमाड़. थाना क्षेत्र में अफीम की अवैध खेती पर रोक लगाने को लेकर पुलिस की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया. इसके तहत अरहंगा, जारगो, मल्हान भुइयांडीह, मारधान, परासी एवं कुंदला पंचायतों में ग्रामीणों के साथ बैठक कर उन्हें अफीम की खेती के दुष्परिणामों की जानकारी दी गयी. पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि अफीम की अवैध खेती करना कानूनन अपराध है. इससे न केवल कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है. बल्कि परिवार और समाज का भविष्य भी प्रभावित होता है. इस दौरान ग्रामीणों से किसी भी परिस्थिति में अफीम की खेती नहीं करने की अपील की गयी. पुलिस ने ग्रामीणों को अवैध खेती से दूर रहकर वैध एवं लाभकारी कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया.

आरोग्य भवन में धूमधाम से मनी बाबा कार्तिक उरांव की जयंती, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। पखवाड़ा दिवस के रूप में बाबा कार्तिक उरांव का जन्मदिन आरोग्य भवन बरियातू के सभागार में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम बाबा कार्तिक उरांव की फोटो पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर नमन की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री माननीय श्री सुदर्शन भगत जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद माननीय श्री समीर उरांव जी,महापौर रोशनी खालखो, बबलू मुंडा अध्यक्ष केंद्रीय सरना समिति, गुरुचरण मुंडा, विश्वकर्मा पहान व कई सामाजिक अगुवा लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि माननीय श्री सुदर्शन भगत जी ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच पूरे भारत देश में कार्तिक बाबू के आधा अधूरे कार्य को सुचारू रूप से चला रहे हैं उनके अनुसार जो जनजाति अपने रूढ़ि प्रथा रीति रिवाज संस्कृति छोड़कर ईसाई इस्लाम बन गए हैं वैसे लोगों को अनुसूचित जनजाति का आरक्षण का लाभ मिलना बंद हो। विशिष्ट अतिथि के तौर पर माननीय राज्यसभा सांसद श्री समीर उरांव जी ने कार्तिक बाबू के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा वह बहुत गरीब परिवार से थे उनका जन्म 29 अक्टूबर 1924 गुमला जिला के सिसई प्रखंड करौंदा लिटा टोली में हुआ था।

उन्होंने बहुत गरीबी में दसवीं तक पढ़ाई की इसके बाद में उच्च पढ़ाई के लिए पटना से इंजीनियर की पढ़ाई की तथा और आगे की पढ़ाई के लिए वह विदेश चले गए और उन्होंने 7 नोबेल अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। आज के समय में जनजाति समाज में उनके समान कोई विद्वान नहीं है। कार्तिक बाबू के द्वारा ही कांके में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, धुर्वा में हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, राजेंद्र मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली तथा लोगों को एग्जिट करने के लिए आंखड़ा अखाड़ा में बैठक करना, लोगों को जुटाना, हक अधिकार की बात बताना, संगठित रहना, केंद्रीय सरना स्थल सिरम टोली की जमीन भी इन्हीं के द्वारा बचाया गया है तथा सरहुल शोभायात्रा में सभी आदिवासियों के एकजुट करना इन्हीं की देन है साथ ही साथ अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के का गठन करना तथा आदिवासियों का उत्थान हो एवं शिक्षित हो इसके लिए भी प्रयास रहे थे।

सीआईएल एवं सीसीएल ने मनाया अपना 52वाँ स्थापना दिवस, कोल योद्धाओं के संकल्प एवं समर्पण को किया गया नमन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा रविवार को कोल इंडिया लिमिटेड एवं अपना 52वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आयोजित समारोह में निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री पंकज कुमार बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं हितधारकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक, सीवीओ एवं अन्य उपस्थित कोलकर्मियों के द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद गंगोत्री कन्वेंशन सेंटर में सीसीएल ध्वज एवं क्षेत्रीय ध्वज फहराया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगीत एवं सीआईएल कॉर्पोरेट गीत का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर उत्साह एवं उमंग के प्रतीक स्वरूप गुब्बारे भी छोड़े गए। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र ने अपने संबोधन में सीआईएल एवं सीसीएल के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और विकास यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी की सफलता के पीछे इसके प्रत्येक कर्मी का समर्पण, कठिन परिश्रम और टीम भावना है। उन्होंने कहा कि सीसीएल केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक एवं सतत आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षा, गुणवत्ता, नवाचार एवं पर्यावरण संरक्षण को अपनी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) पंकज कुमार ने अपने संबोधन में सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक ताकत उसकी कार्यसंस्कृति, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों में निहित होती है। उन्होंने कहा कि कोल कर्मियों की मेहनत, समर्पण और सामूहिक योगदान से ही कोयला उत्पादन के साथ-साथ देश के विकास और ऊर्जा आवश्यकताओं को गति मिलती है। सभी कर्मियों की निष्ठा, प्रतिबद्धता एवं सकारात्मक सोच ही संस्थान को निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

रांची जिला युवा दुर्गा पूजा सुरक्षा समिति ने ग्रामीण अध्यक्ष शिव चौधरी को किया सम्मानित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। रांची जिला युवा दुर्गा पूजा सुरक्षा समिति की ओर से ग्रामीण अध्यक्ष शिव चौधरी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने सिंह चौधरी को सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो मौजूद रहीं।

इसके अलावा रांची जिला दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, मुख्य संरक्षक मुनचुन राय, अशोक पुरोहित, आलोक साहू, हेम सिंह, वरिष्ठ संरक्षक अजय शाह, संरक्षक चंदन प्रजापति, निशांत यादव, अभिषेक चौधरी, शशिकांत तिवारी, संदीप गुप्ता एवं नीरज गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था बनाए रखने में समिति की भूमिका पर चर्चा की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष कृष्णा मिश्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना की और समिति के सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

23 साल बाद झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन में ऐतिहासिक नेतृत्व परिवर्तन, सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

शबाना रब्बानी को मिली सचिव पद की जिम्मेदारी, निर्विरोध निर्वाचन से संगठन में नए अध्याय की शुरूआत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड के खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बदलाव सामने आया है। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन में करीब 23 वर्षों बाद नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. प्रदीप वर्मा को झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। विशेष बात यह है कि डॉ. प्रदीप वर्मा अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। वहीं, शबाना रब्बानी को एसोसिएशन के सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। लंबे समय बाद हुए इस नेतृत्व परिवर्तन और डॉ. प्रदीप वर्मा के निर्विरोध निर्वाचन को झारखंड फुटबॉल के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। नए नेतृत्व से राज्य में फुटबॉल की गतिविधियों को गति मिलने, संगठनात्मक व्यवस्था मजबूत होने तथा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराने की उम्मीद जगी है।

डॉ. प्रदीप वर्मा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने से उनके प्रति संगठन के सदस्यों के विश्वास और सामूहिक सहमति का संदेश भी सामने आया है। उनके नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव का लाभ झारखंड फुटबॉल को मिलने की अपेक्षा है। झारखंड में फुटबॉल के प्रति युवाओं का विशेष आकर्षण रहा है। राज्य के ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में भी फुटबॉल की गहरी लोकप्रियता है और यहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है तो उन्हें उचित मंच, बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की।

नए नेतृत्व के सामने राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने, जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने, खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन कराने तथा फुटबॉल के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। 23 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद हुए इस परिवर्तन और अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन से झारखंड के फुटबॉल खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और खेल संगठनों में नई उम्मीद जगी है। उम्मीद है कि डॉ. प्रदीप वर्मा के नेतृत्व में नई कमेटी सामूहिक प्रयास और दूरदर्शी कार्ययोजना के साथ झारखंड को फुटबॉल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में काम करेगी। झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन में डॉ. प्रदीप वर्मा का निर्विरोध निर्वाचन और नई कार्यकारिणी का गठन राज्य में फुटबॉल के विकास की दिशा में एक नए दौर की शुरूआत है।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार को राज्यभर में संपन्न हो गई. परीक्षा के लिए पूरे राज्य में 986 केंद्र बनाए गए थे. राजधानी रांची में 101 परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. लंबे इंतजार के बाद आयोजित इस परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए. परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई. पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक हुई, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक निर्धारित थी. पहली पाली के लिए सुबह 7:30 बजे से 9:00 बजे तक प्रवेश दिया गया. वहीं, दूसरी पाली के अभ्यर्थियों को दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी गई. परीक्षा समाप्त होने के बाद राजधानी में परीक्षार्थियों की आवाजाही का दबाव बढ़ गया. शाम के समय रेलवे स्टेशनों पर भी परीक्षार्थियों की भीड़ देखने को मिली. बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने गृह जिलों की ओर लौटने के लिए स्टेशन पहुंचे.

परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए रांची रेल मंडल की ओर से परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन भी किया जा रहा था. इसके बावजूद स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की काफी भीड़ नजर आई. दूसरी ओर, शहर की सड़कों पर भी देर शाम यातायात का दबाव बढ़ गया. कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों को जाम की समस्या का सामना करना पड़ा. परीक्षा केंद्रों से निकलने वाले अभ्यर्थियों और उनके साथ पहुंचे परिजनों की आवाजाही ने शहर के यातायात पर अतिरिक्त दबाव बनाया. परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी. कई परीक्षार्थियों ने कहा कि पेपर अच्छा गया और सवाल अपेक्षा के अनुरूप थे. वहीं, कुछ अभ्यर्थियों को गणित के सवालों ने उलझाया. कुछ ने क्षेत्रीय भाषा के प्रश्नपत्र को भी कठिन बताया. अभ्यर्थियों के मुताबिक, प्रश्नपत्र के कुछ हिस्सों को हल करने में अपेक्षा से अधिक समय लगा.

इस बार परीक्षा केंद्रों पर कई ऐसे परिवार भी दिखे, जिनके एक से अधिक सदस्य जेटेट परीक्षा में शामिल हुए. कहीं बहू और दामाद परीक्षा देने पहुंचे थे, तो कहीं ससुर भी परीक्षार्थी के रूप में शामिल हुए. अभ्यर्थियों ने बताया कि लंबे समय से इस परीक्षा का इंतजार कर रहे थे. इनमें कई ऐसे उम्मीदवार भी शामिल थे, जो फिलहाल निजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं, जबकि कुछ पारा शिक्षक के रूप में काम कर रहे हैं. उनका कहना था कि परीक्षा के आयोजन से शिक्षक बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला है.

परीक्षा के दौरान कुछ केंद्रों पर अभ्यर्थियों को दस्तावेजी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा. एडमिट कार्ड में नाम की त्रुटि के अलावा कई परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिका पर भी किसी दूसरे अभ्यर्थी का नाम दर्ज मिला. इसके बाद संबंधित नाम को काटकर उन्हें परीक्षा देने की अनुमति दी गई. रांची के कई केंद्रों पर इस तरह की शिकायतें सामने आईं. अभिभावकों ने बताया कि केंद्र पर उत्तरपुस्तिका की कमी की बात कहकर दूसरे नाम वाली उत्तरपुस्तिकाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था. इससे परीक्षार्थियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी रही. इस मामले में जैक की ओर से कहा गया कि समय रहते सभी त्रुटियों को दूर कर लिया जाएगा.

रामलीला मैदान की इंडिया गठबंधन की रैली ऐतिहासिक : लाल किशोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली को ऐतिहासिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता बंद कमरे में बैठकर रैली में पहुंचने वाली भीड़ और जनसैलाब का आकलन और मूल्यांकन जरूर कर रहे हैं, लेकिन जनाक्रोश को देखकर येन-केन-प्राकरेण और अपने समर्थित मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भीड़ को कम बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन सच्चाई है कि आजाद भारत के इतिहास में ये इतनी बड़ी रैली थी, जो युवा पीढ़ी ने सभी नहीं देखी। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व में और राहुल गांधी के आह्वान पर विपक्ष की ओर से संविधान और लोकतंत्र को बचाने के साथ मतदाताओं के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए देश भर के कोने-कोने से लोग पहुंचे। लेकिन इस जनसैलाब को कम बताना उन लाखों आंदोलनकारियों का अपमान है जो इस आंदोलन में शामिल होने के लिए देश से कोने-कोने से दिल्ली पहुंचे थे। यह अपमान है उन मतदाताओं का जिनके मताधिकार का प्रयोग को भारतीय जनता पार्टी ने छीना है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने लाखों नहीं करोड़ों मतदाताओं का नाम काटा है। यह अपमान है उन मतदाताओं का, जिनका नाम एसआईआर की सूची से काटी गई है। इसका बदला देश के मतदाता भारतीय जनता पार्टी से आने वाले समय पर लेंगे। कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि रामलीली मैदान की रैली को सफल बनाने के लिए झारखंड के भी हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे, इस सहयोग के लिए कांग्रेस और गठबंधन दल में शामिल जेएमएम- आरजेडी और वाम दलों के नेताओं-कार्यकताओं के प्रति कांग्रेस पार्टी आभार व्यक्त करती है।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 साहिबगंज जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

प्रथम पाली में 7,202 एवं द्वितीय पाली में 2,606 अभ्यर्थी हुए शामिल, कुल 11,385 अभ्यर्थियों में 9,808 ने दी परीक्षा



साहिबगंज।झारखंड अधिविध परिषद, रांची द्वारा रविवार को आयोजित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 साहिबगंज जिले के सभी 22 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।परीक्षा के सुचारू संचालन, विधि-व्यवस्था के संधारण तथा कदाचार पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थीं। इसके तहत जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर 44 स्टैटिक दंडाधिकारी, 12 गश्ती दंडाधिकारी एवं 03 उड़नदस्ता दल के दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन की व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। परीक्षा में प्रथम पाली के लिए कुल 8,512 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7,202 उपस्थित एवं 1,310 अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में कुल 2,873 अभ्यर्थियों में से 2,606 उपस्थित एवं 267 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 11,385 अभ्यर्थियों में से 9,808 ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 1,577 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

केंद्रवार अभ्यर्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति का विवरण निम्नवत है–

प्रथम पाली

परीक्षा केंद्र कुल अभ्यर्थी उपस्थिते अनुपस्थित
साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंजे 612| 585| 27
संध्या इंटर कॉलेज, साहिबगंजे 480| 462| 18
राजस्थान इंटर स्कूल, साहिबगंजे 240| 230| 10
पब्लिक हाई स्कूल, साहिबगंजे 216| 212| 04
मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, साहिबगंजे 264| 254| 10
पीएम श्री उत्क्रमित नगरपालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंजे 156| 149| 07
जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंजे 280| 244| 36
ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंजे 216| 156| 60
केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंजे 192| 152| 40
सेंट जेवियर्स स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), साहिबगंज 790| 571| 219
सेंट जेवियर्स स्कूल (हिंदी माध्यम), साहिबगंज 288| 215| 73
सेंट जोसेफ अकादमी, साहिबगंज |80| 179| 01
पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बड़ा पंचगढ़, बोरिया 298| 280| 18
उच्च विद्यालय, तीनपहाड़ 500| 475| 25
उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहल 490| 474| 16
+2 उच्च विद्यालय, उधवा 700| 649| 51
प्रोविडेंस स्कूल, साहिबगंज 264| 223| 41
+2 उच्च विद्यालय, कोदरजन्ना, साहिबगंज 410| 307| 103
+2 जे.के. उच्च विद्यालय, राजमहल 700| 523| 177
बी.एल.एन.एल. बोहरा इंटर कॉलेज, राजमहल 420| 308| 112
+2 उच्च विद्यालय, मंगलहाट, राजमहल 466| 317| 149
पीएम श्री मध्य विद्यालय, नया बाजार, राजमहल 350| 237| 113
कुल 8,512| 7,202| 1,310

द्वितीय पाली

परीक्षा केंद्रे कुल अभ्यर्थी उपस्थिते अनुपस्थित
साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंजे 207 | 198| 09
संध्या इंटर कॉलेज, साहिबगंज 163| 156| 07
राजस्थान इंटर स्कूल, साहिबगंज 81| 78| 03
पब्लिक हाई स्कूल, साहिबगंज 73| 69| 04
मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, साहिबगंज 89 85 04
पीएम श्री उत्क्रमित नगरपालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज 53 51 02
जवाहर नवोदय विद्यालय, साहिबगंज 95 86 09
ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज 73 64 09
केंद्रीय विद्यालय, साहिबगंज 65 63 02
सेंट जेवियर्स स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), साहिबगंज 267 243 24
सेंट जेवियर्स स्कूल (हिंदी माध्यम), साहिबगंज 97 82 15
सेंट जोसेफ अकादमी, साहिबगंज 61 54 07
पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बड़ा पंचगढ़, बोरियो 101 87 14
उच्च विद्यालय, तीनपहाड़ 169 162 07
उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहल 165 159 06
+2 उच्च विद्यालय, उधवा 236 225 11
प्रोविडेंस स्कूल, साहिबगंज 89 85 04
+2 उच्च विद्यालय, कोदरजन्ना, साहिबगंज 138 129 09
+2 जे.के. उच्च विद्यालय, राजमहल 236 198 38
बी.एल.एन.एल. बोहरा इंटर कॉलेज, राजमहल 141 122 19
+2 उच्च विद्यालय, मंगलहाट, राजमहल 157 119 38
पीएम श्री मध्य विद्यालय, नया बाजार, राजमहल 117 91 26
कुल 2,873 2,606 267

परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन पर उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे ने सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षकों, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस बल एवं परीक्षा कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी एवं उन्होंने कहा कि सभी के सामुहिक प्रयास, सजगता एवं जिम्मेदारियों के परिणामस्वरूप जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 का आयोजन सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

10 साल बाद आयोजित हो रही जेटेट परीक्षा, तीनपहाड़ परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की भीड़, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

झारखंड उजाला संवाददाता



तीनपहाड़/साहिबगंज। झारखंड में 10 साल बाद रविवार को शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) आयोजित की जा रही है। इस बार तीनपहाड़ उच्च विद्यालय को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भीड़ रही। पहली पाली में कक्षा 6 से 8 तक के अभ्यर्थियों की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित थी। केंद्र में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। निर्धारित समय सुबह 9 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था का निरीक्षण करने राजमहल अंचलाधिकारी मो. यूसुफ पहुंचे। वहीं, तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत पुलिस बल के साथ तैनात रहे। पुलिस की निगरानी में जांच और प्रवेश की प्रक्रिया पूरी कराई गई।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध

परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर प्रतिबंध रहा। बैग, पर्स, किताबें और नोट्स भी अंदर ले जाने की अनुमति नहीं थी। अभ्यर्थियों के लिए एडमिट कार्ड का स्पष्ट प्रिंटआउट, मूल फोटो पहचान पत्र और पारदर्शी बॉडी वाला बॉलपॉइंट पेन साथ रखना अनिवार्य किया गया।

दूसरी पाली में कक्षा 1 से 5 तक की परीक्षा

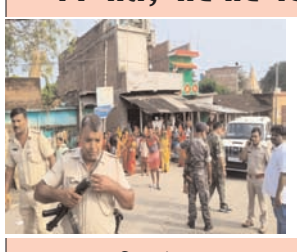
दूसरी पाली में कक्षा 1 से 5 तक के अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक निर्धारित है। इसके लिए दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय के बाद मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा।

पड़हा जतरा में दिखी आदिवासियों की सांस्कृतिक परम्परा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

खूंटी।कर्रा प्रखंड के टिमड़ा स्थित देवान बगीचा में ग्रामसभा टिमड़ा और संयुक्त पड़हा संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पारंपरिक पड़हा जतरा का आयोजन किया गया।जतरा में आसपास के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण और खोड़हा मंडलियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे आयोजन स्थल पर आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की अनूठी छटा देखने को मिली।इस अवसर पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे महिला-पुरुषों ने ढोल-मांदर की थाप पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मांदर की गूंज और सामूहिक नृत्य से पूरा देवान बगीचा उत्सवमय हो उठा।विभिन्न गांवों से पहुंची खोड़हा मंडलियों ने अपनी पारंपरिक कला और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। वहीं, यंग स्टार म्यूजिकल ग्रुप तोरपा के कलाकारों ने आधुनिक, नागपुरी और ठेठ गीत-संगीत की रंगारंग प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने पर विवश कर दिया।जतरा में मनोरंजन के साथ ग्रामीण बाजार का भी आकर्षण रहा। बच्चों के लिए झूले और खिलौनों की दुकानें लगाई गई थीं। इसके अलावा श्रृंगार सामग्री, रंग-बिरंगी मिठाइयों, गुपचुप, चाट, फल-सब्जी और गन्ने की दुकानों पर लोगों की भीड़ उमड़ी। ग्रामीणों ने परिवार और परिचितों के साथ जतरा का भरपूर आनंद उठाया।कार्यक्रम में बमरजा पंचायत के मुखिया अनूप कुजूर, मेहा पंचायत के मुखिया अजय खलखो, सनिका मुंडा एवं जयमंगल मुंडा उपस्थित थे।वहीं जतरा को सफल बनाने में आयोजन समिति के ग्राम प्रधान भादे मिंज, अध्यक्ष सिरिल धान, सचिन प्रधान, अमन मिंज, संतोष नायक, जीवन होरो सहित समिति के अन्य सदस्यों ने योगदान दिया।

गंगा स्नान के दौरान डूबने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़





राजमहल/साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत सरकंडा गांव में रविवार को गंगा में डूबने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सकल दिलीप रविदास, पिता भिखारी रविदास सरकंडा गांव निवासी के रूप में हुई है। वहीं घटना के बाद गांव में शोक की लहर है, वहीं मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 11 बजे सकल दिलीप रविदास गंगा स्नान करने गया था इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और वह डूब गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्हें बचाने के लिए प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें गंगा से बाहर निकाला। वहीं घटना कि जानकारी राजमहल थाना टो मिलते ही राजमहल पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। इधर घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मृतक कि पत्नी आरती देवी ने बताया कि उनके पति ही परिवार में अकेले कमाने वाले थे। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। पति की अचानक मौत के बाद अब परिवार का भरण-पोषण कैसे होगा, इसकी चिंता उन्हें सता रही है। वहीं मृतक अपने पीछे दो बेटे राज रविदास 15 वर्ष और आयुष रविदास 10 वर्ष तथा एक 16 वर्षीय बेटी को छोड़ गए हैं। कहा परिवार के मुखिया के चले जाने से पत्नी और तीनों बच्चों के सामने भविष्य और जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है। शइधर घटना के बाद राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी एवं समाजसेवी राजेश मंडल ने मृतक की पत्नी को आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की। इस दौरान परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा भी दिया गया। घटना से पूरे सरकंडा गांव में शोक का माहौल है।

दीपावली पर किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सौगात,18,690 करोड़ रुपये की राशि जारी:-बजरंगी प्रसाद यादव

झारखंड उजाला संवाददाता

साहिबगंज:-दीपावली के पावन अवसर पर देश के अन्नदाताओं को आर्थिक सहायता की सौगात मिलने पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी कर किसानों को दीपावली का विशेष उपहार दिया है।बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया कि इस किस्त के तहत देश के 9 करोड़ 34 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई है।यह राशि किसानों के सम्मान,स्वाभिमान और खेती-किसानी को आर्थिक मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार किसानों के कल्याण,सम्मान और समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है।सरकार का संकल्प है कि किसान आर्थिक रूप से सशक्त हों और कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए।श्री यादव ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि हर किसान के घर खुशहाली का दीप जले,हर खेत में हरियाली आए और अन्नदाताओं का भविष्य उज्ज्वल हो।उन्होंने कहा कि किसान खुशहाल होगा,तभी देश खुशहाल होगा।इसी भावना के साथ उन्होंने देशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई देते हुए जय जवान,जय किसान और जय हिंद का संदेश दिया।

गंगा समग्र ने झारखंड को तीन संभागों में बांटा, रांची, हजारीबाग व देवघर के संभाग संयोजक घोषित

झारखंड उजाला संवाददाता



राजमहल/साहिबगंज।गंगा समग्र की प्रांत स्तरीय बैठक रविवार को रांची, बरियातू के आरोग्य भवन में हुई। बैठक में मुख्य रूप से गंगा समग्र के अखिल भारतीय राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष जी, राष्ट्रीय मंत्री रमाशंकर सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राष्ट्रीय संगठन मंत्री रामाशीष जी ने कहा कि झारखंड प्रांत की यह अंतिम बैठक है, संघ के दृष्टिकोण से झारखंड प्रांत को तीन संभागों रांची, हजारीबाग व देवघर में विभक्त किया गया है प्रत्येक संभागों में 8 जिले रखे गए हैं। बैठक के दौरान राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने तीनों संभागों के संभाग संयोजक की घोषणा की , रांची संभाग में रत्नेश कुमार, हजारीबाग के संजय कुमार सिंह,व देवघर संभाग के लिए भूदेव कुमार के नाम की घोषणा की गई। उन्होंने कहा की 20 नवंबर तक संभाग की पुरी टीम की घोषणा करनी है साथ में सभी जिलों में संयोजक बनाना है। सभी जिलों में प्रखंड से लेकर खंड तक में कार्यकर्ता तैयार करना है। उन्होंने गंगा समग्र के सभी आयामों पर व्यापक काम करने पर विस्तृत चर्चा की खासकर उन्होंने गंगा समग्र के नदी व तालाब आयाम पर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान रमाशंकर सिंहा ने कहा कि प्रवास और प्रयास सहित कार्यकर्ता को सफलता को मिलती है, कार्यकर्ता का छोटा सा प्रयास आगे चलकर बट वृक्ष का रूप लेता है। जितना प्रवासी कार्यकर्ता बढ़ेगा उतना ही कार्यक्रम का विस्तार होगा कार्यक्रमों से ही कार्यकर्ता का निर्माण होता है। कार्य का विस्तार कैसे हो उसकी चिंता करनी है। बैठक के दौरान रांची संभाग की बैठक 5 दिसंबर व देवघर संभाग की बैठक 6 दिसंबर को तय की गई।बैठक में प्रांत संयोजक डा देवव्रत गुप्ता, प्रांत संगठन मंत्री जय किशोर पाठक, प्रांत सह संयोजक भुदेव कुमार , धर्मेंद्र कुमार चंदा कुमारी गौड़ ,संतोष आनंद, रत्नेश कुमार, रंजीत कुमार,शिवाकांत, नितिन निशांत, अनिल गुप्ता, चंडी चरण दे, संजय सिंह, राजेश ठाकुर शाहिद अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के सफल एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

साहिबगंज।झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने आज साहेबगंज एवं राजमहल अनुमंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने साहिबगंज कॉलेज, साहिबगंज; सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, साहिबगंज, यूपीजी उच्च विद्यालय, जामनगर, राजमहल; प्लस टू उच्च विद्यालय, उधवा; पीएम श्री नगर पालिका बालिका उच्च विद्यालय, साहिबगंज; सेंट जेवियर्स स्कूल (अंग्रेजी माध्यम), साहिबगंज; सेंट जेवियर्स स्कूल (हिंदी माध्यम), साहिबगंज तथा सेंट जोसेफ एकेडमी, साहिबगंज स्थित परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, सुरक्षा एवं परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को निर्धारित दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने तथा पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा कदाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।जिला प्रशासन की सतर्कता एवं समुचित व्यवस्था के बीच जिले में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

स्वास्थ्य केंद्र निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

निर्माण कार्य स्थल पर योजना से संबंधित सूचना पट्ट (साइन बोर्ड) भी नहीं लगाया गया है

सैफुल बसर,संवाददाता उधवा



उधवा/ साहिबगंज।जिले के उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत दक्षिण सरफराजगंज पंचायत में स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य को लेकर अनियमितता बरतने का आरोप सामने आया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से काम कराया जा रहा है। आरोप है कि पिलर ढलाई के लिए मात्र दो फीट गड्ढा खोदकर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जबकि निर्माण की गुणवत्ता और मजबूती को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने निर्माण कार्य में कथित अनियमितता को लेकर ठेकेदार को काम रोकने और निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण कराने को कहा, इसके बावजूद कार्य जारी रखा गया है। वहीं, निर्माण स्थल पर योजना से संबंधित सूचना पट्ट (साइन बोर्ड) भी नहीं लगाया गया है।इससे ग्रामीणों को योजना की लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य अवधि एवं अन्य आवश्यक जानकारियां नहीं मिल पा रही हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने, तकनीकी पदाधिकारियों से स्थल निरीक्षण करवाने तथा निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण आम लोगों की सुविधा से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निर्माण कार्य निर्धारित प्राक्कलन एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाना चाहिए।

इस संबंध में क्या कहते हैं कनीय अभियंता

इस संबंध में कनीय अभियंता दिलिप कुमार ने बताया कि इसमें हम को कुछ नही कहना है इतना बात बोलकर फोन कट कर दिया।

युवा दस्ता ने की छठ घाटों की सफाई अभियान की शुरूआत



झारखंड उजाला संवाददाता

रांची। युवा दस्ता की ओर से रविवार को छठ महापर्व से पूर्व राजधानी रांची के विभिन्न छठ घाटों की सफाई के लिए सफाई अभियान की शुरूआत की गई । अभियान की शुरूआत युवा दस्ता के संस्थापक राजीव रंजन मिश्रा ने मुख्य छठ घाट बड़ा तालाब से की। मिश्रा ने युवा दस्ता के सभी पदाधिकारी और सदस्यों से छठ महापर्व तक अलग - अलग छठ घाटो में सफाई करने की अपील की। मिश्रा ने राजधानी के सभी लोगों से छठ घाट एवं तालाबों को साफ रखने की अपील की। मिश्रा ने पूजन सामग्री को निगम के बनाए गए विसर्जन स्थल में ही विसर्जन करने की अपील की । मिश्रा ने निगम प्रशासन से भी तालाबों और छठ घाट की नियमित सफाई करने की मांग की। अभियान में राज किशोर प्रसाद, अशोक पुरोहित, गोपाल पारीक, मदन साहू , सुनील शर्मा, लंकेश सिंह, राहुल सिन्हा चंकी, अनिल तिवारी, राजीव सिंह सहित दर्जनों पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे।

छठ पूजा के सफल आयोजन को लेकर न्यू स्टार क्लब की बैठक संपन्न, सैकड़ों लोग हुए शामिल

बरहरवा/साहिबगंज। आगामी छठ महापर्व के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर शनिवार को संध्या में न्यू स्टार क्लब, बरहरवा की ओर से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष एवं समाजसेवी सुमन कुमार ने की। बैठक में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिकों एवं गणमान्य लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान छठ पूजा के आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें छठ घाटों की साफ-सफाई, आवश्यक रोशनी की व्यवस्था, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने आपसी सहयोग, सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे में पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी लोगों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। क्लब के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने आयोजन को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर क्लब के सचिव राजेश झा, वार्ड सदस्य जितेंद्र कुमार, वार्ड सदस्य अमित भारती, ललन कुमार, रविशंकर रमानी, सूरज कुमार गुप्ता, संदीप कुमार, नित्यानंद कुमार, श्याम कुमार गुप्ता, पुलेश रविदास, मोहम्मद फारूक शेख, बलराम सिंह, निताई सरकार, पंकज कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। बैठक में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से छठ महापर्व को सफल बनाने के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता देखने को मिली। सभी ने भाईचारे, सहयोग और सामाजिक एकजुटता के साथ पर्व को भव्य एवं यादगार बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस अधीक्षक पलामू के निदेर्शानुसार नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में पलामू पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तीन अभियुक्त गिरफ्तार; घटना में प्रयुक्त टोटो एवं तीन मोबाइल फोन जब्त

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



पलामू: पुलिस अधीक्षक, पलामू के निदेर्शानुसार महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित गंभीर अपराधों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए उंटारी रोड थाना कांड संख्या-55/2026, दिनांक-31.10.2026, धारा-70(2) भारतीय न्याय संहिता (बी०एन०एस०), 2023 एवं 4/6 पॉक्सो एक्ट तथा 3(2)(५) एस०सी०/एस०टी० एक्ट के तहत दर्ज मामले में पलामू पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

घटना का संक्षिप्त विवरण एवं पुलिस कार्रवाई :

दिनांक-31.10.2026 को एक नाबालिग पीड़िता द्वारा उंटारी रोड थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया गया कि ग्राम लकड़ाही, थाना उंटारी रोड से हुसैनाबाद जाने के क्रम में टोटो पर सवार तीन व्यक्तियों द्वारा उसके साथ छेड़छाड़ एवं दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। प्राप्त आवेदन के आधार पर मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विश्रामपुर श्री चिरंजीवी मंडल के नेतृत्व में अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गठित छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों संदिग्ध अभियुक्तों को पूछताछ हेतु थाना लाया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के क्रम में तीनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, जिसके पश्चात उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। साथ ही, उनकी निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त टोटो एवं तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन विधिवत जब्त किए गए। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को दिनांक-01.11.2026 को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण :

1. सुधोध दीक्षित, उम्र-38 वर्ष, पिता-स्व० राजेश्वर दीक्षित
2. मुकेश दीक्षित, उम्र-26 वर्ष, पिता-स्व० बाबूलाल दीक्षित
3. अभय दीक्षित, उम्र-20 वर्ष, पिता-संजय दीक्षित

तीनों ग्राम-भदुमा, थाना-उंटारी रोड, जिला-पलामू।

जब्त सामानों का विवरण :

घटना में प्रयुक्त दो टोटो, पंजीयन संख्या-JH 03AT 7471 एवं JH 03AV 3393।
तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन।

छापामारी दल:

1. श्री चिरंजीवी मंडल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, विश्रामपुर, पलामू।
2. श्री सोनू कुमार चौधरी, पुलिस निरीक्षक, पांडु अंचल, कैम्प रेहला, पलामू।
3. पु०अ०नि० संतोष गिरि, थाना प्रभारी, उंटारी रोड।
4. स०अ०नि० साधुचरण दास, उंटारी रोड थाना, पलामू।
5. उंटारी रोड थाना के सशस्त्र बल।

पलामू पुलिस की अपील :

पलामू पुलिस महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। आम नागरिकों से अपील है कि ऐसी किसी भी घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी थाना अथवा डायल-112 पर सूचना दें। पलामू पुलिस - आपकी सुरक्षा, हमारी जिम्मेदारी।

सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर बड़कागांव थाना परिसर में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए संदेश को सभी ने लाइव टेलीकास्ट सुना और संकल्प लिया

बड़कागांव। देश के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को बड़कागांव थाना परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए संदेश को थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने राष्ट्रीय एकता दिवस के लाइव टेलीकास्ट को देखा और सरदार पटेल के विचारों एवं देश की एकता के प्रति उनके योगदान को याद किया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संदेश का संकल्प लिया। सभी ने देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।मौके पर थाना प्रभारी श्री सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता से देश की एकीकरण कर मजबूत भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनका जीवन हमें एकता, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस मनाने का उद्देश्य देशवासियों में एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का एहसास कराना है।कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

पलामू में जेटेट परीक्षा केंद्र जा रही महिला पुलिस जवान की सड़क हादसे में मौत



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पलामू :छतरपुर थाना क्षेत्र में एक महिला पुलिस जवान बबीता कुमारी की रविवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह जेटेट परीक्षा सतबरवा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था देने जा रही थीं। इसी दौरान छतरपुर थाना क्षेत्र ठल 98 के पास उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। जवान की मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

लोहरदगा के 27 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई जेटेट परीक्षा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

प्रथम पाली में 7315 और दूसरी पाली में 5046 परीक्षार्थी हुए शामिल



लोहरदगा: झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार को जिले के 27 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हुई। प्रथम पाली में वर्ग छह से आठवीं तक के लिए आयोजित परीक्षा में 7823 में से 7315 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 508 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में वर्ग एक से पांचवीं तक की परीक्षा में 5338 में से 5046 परीक्षार्थियों ने भाग लिया और 292 अनुपस्थित रहे।
परीक्षा के सुचारू संचालन को लेकर उपायुक्त संदीप कुमार मीना एवं पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, उसूर्लाइन महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था, केंद्रों पर तैनात कर्मियों की जिम्मेदारी और परीक्षा संचालन का जायजा लिया।परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू रही। सभी केंद्रों पर महिला एवं पुरुष परीक्षार्थियों की सघन जांच के बाद प्रवेश दिया गया। विधि - व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, उड़नदस्ता दल और पेट्रोलिंग टीम तैनात रही। झारखंड अधिविद्य परिषद के दिशा-निदेर्शों का पालन कराया गया।उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने परीक्षा के सफल आयोजन पर संतोष जताते हुए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, वीक्षकों एवं अन्य कर्मियों को बधाई दी।

प्रोजेक्ट्स, हजारीबाग में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया



सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के क्रम में एनएमएल कोल माइनिंग हजारीबाग: इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को सतर्कता शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं नैतिक आचरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के लिए उनके अमूल्य योगदान को याद किया गया। इसके पश्चात कर्मचारियों की सहभागिता से एक वॉकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकाथॉन का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव एवं सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करना था। एकता एवं टीम भावना को और मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स के बीच रस्साकशी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा आपसी सहयोग एवं सौहार्द का संदेश दिया। इस अवसर पर कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स के प्रमुख, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। यह आयोजन सतर्कता, सत्यनिष्ठा, राष्ट्रीय एकता एवं सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रति एनएमएल कोल माइनिंग प्रोजेक्ट्स की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

बड़कागांव: राष्ट्रनायकों को नमन, नन्हीं प्रतिभाओं का सम्मान विधायक रोशन लाल चौधरी

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।



पतरातू/हेसला। पटेल सेवा संघ सह सहयोग समिति के तत्वावधान में हेसला पंचायत में आधुनिक भारत के शिल्पकार, लौहपुरुष, भारत रत्न श्रद्धेय सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर सादर नमन किया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी और समस्त देशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान एवं नवाचार प्रदर्शनी का अवलोकन किया। बच्चों द्वारा बनाए गए रचनात्मक और सुंदर मॉडलों को देखकर विधायक ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी प्रतिभा की सराहना की और विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि सरदार पटेल जी का अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता से देश की रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत की नींव को सुदृढ़ किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरदार पटेल के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अंत में उन्होंने कहा – आइए, सरदार साहब के संकल्पों को अपना संकल्प बनाएं और सशक्त, संगठित एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

मार्शलिंग यार्ड- प्रधानखांटा ज. रेल खंड पर दोहरीकरण कार्य, 5 नवंबर तक दोपहर की पैसेंजर ट्रेनें रहेंगी रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सुबह और रात की ट्रेनों का परिचालन पूर्ववत, यात्रियों को होगी परेशानी



सिंदरी/धनबाद। मार्शलिंग यार्ड से प्रधानखांटा ज. के बीच रेल लाइन दोहरीकरण कार्य को लेकर सिंदरी टाउन और धनबाद जंक्शन के बीच चलने वाली दोपहर की पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन आगामी 5 नवंबर तक बाधित रहेगा। इसके कारण दोपहर में यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 53327 सिंदरी टाउन-गोमो पैसेंजर तथा 53334 धनबाद-सिंदरी टाउन पैसेंजर का परिचालन प्रभावित रहेगा। इन ट्रेनों के माध्यम से दोपहर में सिंदरी, मार्शलिंग यार्ड, रखितपुर, प्रधानखांटा ज. और धनबाद जंक्शन के बीच बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। वहीं सुबह और रात्रि में चलने वाली ट्रेन संख्या 53323 सिंदरी टाउन-धनबाद पैसेंजर तथा 53333 सिंदरी टाउन-धनबाद पैसेंजर का परिचालन पूर्व की भांति जारी रहेगा। इन ट्रेनों से यात्रियों को आवागमन की सुविधा मिलती रहेगी। रेल लाइन दोहरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद रेल परिचालन व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा पर निकलने से पहले संबंधित ट्रेनों की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

जमीन विवाद में हुई थी हत्या, पांच गिरफ्तार



रांची। मांडर थाना क्षेत्र के टिको टोली गांव में रामू उरांव (५५) की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। इस हत्याकांड में पुलिस ने अब तक पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में हत्या की वजह जमीन विवाद सामने आई है। मृतक रामू उरांव और आरोपितों के बीच पिछले करीब 10 वर्षों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपितों ने साजिश रचकर रामू उरांव को मौत के घाट उतारा दिया।ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने रविवार को बताया कि घटना 29 अक्टूबर 2026 की है। मांडर थाना क्षेत्र के टिको टोली गांव स्थित डेयरी के पास सेवाडीह निवासी रामू उरांव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मांडर थाना प्रभारी, खलारी डीएसपी और आसपास के थानों की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पत्नी के लिखित आवेदन के बाद मांडर थाना में कांड संख्या 113/26 के तहत मामला दर्ज किया गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई। एसआईटी ने मानवीय और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसके बाद छापेमारी कर तीन आरोपित राम जनम सिंह, तेज नारायण सिंह उर्फ तेजना सिंह और धुरवा सिंह उर्फ धुरू सिंह को गिरफ्तार किया गया। इन तीनों को 30 अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।वहीं मामले में शामिल दो अन्य आरोपितों कुलदीप सिंह और राजेन्द्र सिंह उर्फ विपीन सिंह को पुलिस ने रविवार को ठाकुरगांव थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इस तरह अब तक इस हत्याकांड में पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है।एसपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि रामू उरांव के साथ उनका जमीन को लेकर 10 वर्षों से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को लेकर एक साजिश के तहत हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस अब इस मामले में शामिल शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।गिरफ्तार आरोपितों में राम जनम सिंह (50), तेज नारायण सिंह उर्फ तेजना सिंह (32), धुरवा सिंह उर्फ धुरू सिंह (27), कुलदीप सिंह (40) और राजेन्द्र सिंह उर्फ विपीन सिंह (29) शामिल हैं। सभी आरोपित रांची जिले के ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के अड़ा गांव के रहने वाले हैं।

अंजुमन इस्लामिया की अदलिया कमिटी ने आपसी सहमति से सुलझाया विवाद, जरूरतमंद को इलाज के लिए दी आर्थिक मदद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

दो पक्षों के बीच कराया गया समझौता, दो अन्य मामलों की सुनवाई जांच-पड़ताल के लिए सुरक्षित

अदलिया में सहमति से लिए जाते हैं फैसले, जिससे विवाद खत्म होने के साथ रिश्तों में भी आती है मजबूती: अब्दुल रउफ अंसारी



लोहरदगा: सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान की दिशा में अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा की अदलिया कमिटी लगातार अपनी भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में रविवार, 1 नवंबर को अंजुमन कार्यालय में कमिटी ने एक महत्वपूर्ण विवाद की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह कराकर मामले का निष्पादन किया। वहीं, एक जरूरतमंद व्यक्ति को इलाज के लिए आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। अंजुमन इस्लामिया के सदर अब्दुल रउफ अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित सुनवाई में अदलिया कमिटी के सदस्य अब्दुल मोहेमीन बबन, मोहम्मद असगर तैगी, हफिजुल अंसारी, वसीम अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।सुनवाई के दौरान गुमला जिले के मलगो निवासी मोहसिन खान और रांची के नगड़ी निवासी गुफराना परवीन के बीच आपसी नाइत्तेफाकी से जुड़े मामले पर विचार-विमर्श किया गया। कमिटी ने दोनों पक्षों की बातें गंभीरता से सुनीं और आपसी बातचीत एवं समन्वय के माध्यम से सहमति कायम कराई। इसके बाद दोनों पक्षों की रजामंदी से विवाद का निपटारा कर दिया गया। इस दौरान सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए अदलिया कमिटी ने लोहरदगा के बंगला मुहल्ला निवासी मोहम्मद शमीम खान को भी आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। बताया गया कि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद अंजुमन इस्लामिया की ओर से इलाज एवं प्लास्टर कराने में आर्थिक सहयोग किया गया। इसके अतिरिक्त दो अन्य मामलों की भी सुनवाई की गई। हालांकि, आवश्यक जांच-पड़ताल एवं तथ्यों के सत्यापन के लिए दोनों मामलों को फिलहाल सुरक्षित रखा गया है। मौके पर सदर अब्दुल रउफ अंसारी ने मुस्लिम समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अंजुमन इस्लामिया की अदलिया कमिटी का उद्देश्य आपसी विवादों को बातचीत, समझदारी और सहमति के आधार पर सुलझाना है। यहां किसी भी मामले में फैसला थोपने के बजाय दोनों पक्षों की बात सुनकर उनकी आपसी रजामंदी से समाधान निकालने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि अदलिया के माध्यम से विवादों का निपटारा होने से न केवल आपसी मनमुटाव दूर होता है, बल्कि परिवारों और समाज के बीच रिश्तों में भी मजबूती आती है। छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ाने के बजाय समाज के लोगों को आपसी बातचीत और भाईचारे के रास्ते को अपनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि सुलहनीय मामलों को लेकर अदलिया कमिटी का सहयोग लें और समाज में अमन, एकता एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने में अपनी भागीदारी निभाएं।

सड़क हादसे में महिला कांस्टेबल बबीता कुमारी की मौत, पुलिस लाइन में दी गई सलामी

एसपी कपिल चौधरी ने जताया गहरा शोक, परिजनों से मिलकर हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

झारखंड उजाला



मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में महिला पुलिस कांस्टेबल बबीता कुमारी की मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। रविवार को पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस विभाग ने एक कर्मठ महिला कांस्टेबल को खो दिया है। उन्होंने आम लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की अपील की है।एसपी ने पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जान की सुरक्षा के लिए करना चाहिए। सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोकने के लिए मोटर वाहन अधिनियम का पालन करना बेहद जरूरी है।बताया जाता है कि महिला कांस्टेबल बबीता कुमारी जेटेट परीक्षा जिले के सतबरवा केंद्र पर सुरक्षा ड्यूटी के लिए जा रही थीं। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई। उन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। मृतका छतरपुर थाना क्षेत्र के बारा गांव की रहने वाली थीं।इधर, कहा कि हेलमेट का इस्तेमाल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) में पोस्टमार्टम के बाद बबीता कुमारी के पार्थिव शरीर को पुलिस लाइन लाया गया। यहां पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी समेत पुलिस अधिकारियों और जवानों ने सलामी देकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अधिकारियों और जवानों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत महिला कांस्टेबल को अंतिम विदाई दी।इस दौरान मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। एसपी कपिल चौधरी ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। महिला कांस्टेबल की असामयिक मौत से पुलिस विभाग और उनके पैतृक गांव में शोक का माहौल है।

हत्या का खुलासा, होटल मालिक सहित दो गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में कृष्णा स्वीट्स के सेल्समैन बानेश्वर गोराई उर्फ राहुल की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड में पुलिस ने होटल के मालिक कृष्णा कुमार उर्फ लंगड़ू और होटल के सफाईकर्मी अमित कुमार उर्फ बिट्टू को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आपसी विवाद और आर्थिक नुकसान से नाराज होटल मालिक ने सफाईकर्मी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। वारदात को अंजाम देने के बदले सफाईकर्मी को 50 हजार रुपये देने की बात तय हुई थी, जिसमें सात हजार रुपये एडवांस दिए गए थे।रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने रविवार को बताया कि 30 अक्टूबर की रात पिठोरिया थाना क्षेत्र के करकट्टा मोड़ के पास बानेश्वर गोराई की हत्या कर दी गई थी। वह पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के मानबाजार थाना क्षेत्र के सिंदूरपुर गांव का रहने वाला था। घटना की सूचना मिलने के बाद पिठोरिया थाना में कांड संख्या 112/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआइटी) गठित की गई थी।पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक बानेश्वर गोराई पिठोरिया क्षेत्र के विभिन्न होटलों में स्टाफ और वेटर उपलब्ध कराने का काम करता था। उसने कृष्णा स्वीट्स में भी कर्मचारियों को काम पर लगवाया था। पुलिस के मुताबिक, होटल मालिक की पत्नी अक्सर पूजा करने होटल आती थी। इस दौरान मृतक कथित तौर पर उस पर अभद्र और अश्लील टिप्पणियां करता था।इसके अलावा, होटल में बिक्री से मिलने वाले रुपये भी कथित तौर पर हड़प लेता था। इससे होटल मालिक को आर्थिक नुकसान हो रहा था। इन घटनाओं को लेकर होटल मालिक और मृतक के बीच कई बार विवाद हुआ था। जब मालिक उसे डांटता-फटकारता था, तो वह कुछ दिनों के लिए होटल छोड़कर चला जाता था और वहां काम करने वाले अन्य कर्मचारियों को भी अपने साथ ले जाता था। पुलिस के अनुसार, इन्हीं वजहों से नाराज होकर कृष्णा कुमार ने अमित कुमार के साथ मिलकर बानेश्वर की हत्या की योजना बनाई।एसपी ने बताया कि घटना वाले दिन बानेश्वर अपने ससुराल जा रहा था। इसी दौरान आरोपितों ने पूर्व निर्धारित योजना के तहत उसका पीछा किया। करकट्टा मोड़ के पास कुल्हाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और तकनीकी व मानवीय सूचनाओं के आधार पर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपितों की संलिप्तता सामने आने की बात पुलिस ने कही है। पुलिस ने आरोपितों के पास से घटना में इस्तेमाल बाइक, एक मोबाइल फोन, मृतक का मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल कुल्हाड़ी, आरोपितों के कपड़े, एक डीवीआर, दो वाई-फाई राउटर और एक स्कूटी बरामद की है।पुलिस गिरफ्तार आरोपितों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगा रही है। पुलिस की छापेमारी टीम में सदर डीएसपी अमर कुमार पांडेय, पिठोरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार, कांके थाना प्रभारी कुणाल कुमार सहित विभिन्न थानों और तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मी शामिल थे।

आध्यात्मिक विकास के स्वर्णिम अवसर के रूप में लें वृद्धवस्था को : महेश भाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव मानने के बजाय इसे अनुभव, आत्मिक शक्ति और आध्यात्मिक विकास के स्वर्णिम अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। जीवन का हर क्षण अनमोल है। इसलिए बीते समय की यादों में उलझने के बजाय वर्तमान में प्रसन्न रहकर जीवन जीना और दूसरों के जीवन में खुशियां बांटना जरूरी है। मनुष्य को अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल समाज सेवा, परोपकार और आत्मिक उन्नति के लिए करना चाहिए। यह बातें कोलकाता से आए महेश भाई ने रविवार को सोनारी स्थित यूनिवर्सल पीस पैलेस, मरीन ड्राइव में आयोजित कार्यक्रम में कहीं। ब्रह्माकुमारीज के सामाजिक सेवा प्रभाग की ओर से ह्यसंगम : गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में शहर की विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़े सैकड़ों वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए। महेश भाई ने कहा कि समय, कर्म और स्वास्थ्य जीवन की महत्वपूर्ण पूंजी हैं। उम्र बढ़ने के साथ मनुष्य को अपनी सोच सकारात्मक रखनी चाहिए और जीवन के अनुभवों को समाज के हित में लगाना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को अतीत की चिंताओं से मुक्त होकर वर्तमान को आनंदपूर्ण बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की कोल्हान प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अंजू दीदी ने कहा कि बुजुर्ग परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और जीवन से प्राप्त सीख नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं।

सिंदरी में शहीद भगत सिंह समिति का तीन दिवसीय महामिलन उत्सव शुरू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

25 वर्षों की पुरानी यादें हुई ताजा, देश के विभिन्न राज्यों से जुटे संस्था के सदस्य



सिंदरी/धनबाद। शहीद भगत सिंह सोसाइटी की सांस्कृतिक शाखा की ओर से 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित तीन दिवसीय द्वितीय महामिलन उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से संस्था के सदस्य, रेनबो क्लब के साथी एवं पुराने मित्र शामिल हो रहे हैं। उत्सव के माध्यम से सिंदरी में वर्षों पुरानी सामाजिक और सांस्कृतिक यादें फिर से जीवंत हो उठी हैं।शहीद भगत सिंह के देशभक्ति और बलिदान की भावना को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से वर्ष 1983 में आरएम-4 कॉलोनी के युवाओं एवं रेनबो क्लब के सदस्यों के सहयोग से श्रीकुमार सेनगुप्ता (काली दा) के नेतृत्व में संस्था की स्थापना हुई थी। पूर्व में संस्था ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क विद्यालय, रक्तदान, मरीजों के बीच फल वितरण तथा खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया था।संस्था की ओर से बताया गया कि समय के साथ सिंदरी में औद्योगिक गतिविधियों और सामाजिक आयोजनों में कमी आने से पुराने साथी अलग-अलग स्थानों पर चले गए थे। करीब 25 वर्षों की पुरानी यादों को फिर से जोड़ने के लिए व्हाट्सऐप समूह बनाया गया, जिसके माध्यम से महामिलन उत्सव की शुरूआत हुई। दूसरे वर्ष के आयोजन स्थल सिंदरी ऑफिसर क्लब में 1 नवंबर रविवार को मुख्य अतिथि चिकित्सक सिंदरी डॉ. सी.जी. साहा को विषम परिस्थितियों में भी चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज में दिए गए योगदान के लिए सांस्था की तरफ से उनको एवं पत्नी दीपा साहा को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में शहीद भगत सिंह के चित्र पर सदस्यों द्वारा माल्यार्पण, श्रद्धांजलि सभा , कार्यक्रम का उद्घाटन गीत, सम्मान समारोह,सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं समापन गीत के साथ रविवार के कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल करने में विषम परिस्थिति में भी गुजरात : गौतम बोस, महाराष्ट्र (पूना): प्रबीर सखेल, हरयाणा : राजेंद्र भगत, आशीष दास, कलकत्ता : गौतम चक्रबर्ती, शांतिनिकेतन : सिपरा जैस, शक्ति राय चौधरी एवं चंद्रा राय चौधरी (कल्चर एक्टिविटी), धनबाद (सिंदरी) : रूना चटर्जी, विश्वनाथ चटर्जी, सरवरी देवी, शरवानी कॉर, इन्द्राणी भट्टाचार्य, अभिजीत भट्टाचार्य, मोहियान जस मंडल (शांतिनिकेतन) लगातार सक्रिय रहे।

गम्हरिया थाना दुष्कर्म मामला: दो दिनों में 15 पुलिसकर्मी पर गिरी गाज, दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

सरायकेला। गम्हरिया थाना परिसर में महिला फरियादी के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में सरायकेला-खरसावां के एसपी मनोज स्वर्गियारी ने दूसरे दिन रविवार को भी कड़ी कार्रवाई जारी रखी। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को निलंबित किए गए छह पुलिसकर्मियों में से एसआई मनोज कुमार साहू और हवलदार संतोष कुमार राय को गिरफ्तार कर लिया है।वहीं, रविवार को अनुशासनहीनता और घटना की जानकारी समय पर वरीय अधिकारियों को नहीं देने के आरोप में गम्हरिया थाना के नौ अन्य पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया। इनमें एसआई अजय पासवान और ललन रविदास, एएसआई विश्व उरांव, मुकेश कुजूर, मुकेश रविदास और सीताराम सिंह पाहन, हवलदार पितांबर महतो और बहादुर हांसदा एवं आरक्षी मनोज गोराई शामिल हैं। इस तरह दो दिनों के भीतर थाना प्रभारी सहित कुल 15 पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई हो चुकी है।वहीं गत शनिवार को निलंबित किये गये पुलिसकर्मियों में थाना प्रभारी संजय प्रसाद, पुलिस अवर निरीक्षक अनिरुद्ध सिंह, मनोज साहू, आरक्षी संतोष राय, हवलदार मुनेश्वर कुमार और आरोपित वायरलेस ऑपरेटर नीरज लकड़ा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रविवार को निलंबित किए गए पुलिसकर्मी उस कमरे के ठीक ऊपर स्थित कमरों में रहते थे, जहां घटना हुई थी।इधर, थाना प्रभारी सहित छह पुलिसकर्मियों के निलंबन के बाद रविवार को राजेश टुडू को गम्हरिया थाना की कमान सौंपी गई। उन्होंने थाना पहुंचकर नए प्रभारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।उल्लेखनीय है कि गम्हरिया थाना में पदस्थापित वायरलेस ऑपरेटर नीरज लकड़ा पर थाना परिसर में महिला फरियादी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनोज स्वर्गियारी रविवार को पुलिस बल के साथ स्वयं गम्हरिया थाना पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों से अलग-अलग बंद कमरों में पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किया। एसपी ने स्पष्ट किया कि एसआईटी घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू की जांच कर रही है। इसमें किसी की भी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संलिप्तता सामने आने पर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद एसपी ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को थानों की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।उन्होंने चेतावनी दी कि ड्यूटी के दौरान या थाना परिसर में शराब या किसी अन्य नशे की हालत में पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों को सीधे सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की जाएगी। थाना प्रभारियों को अपने अधीनस्थ कर्मियों की उपस्थिति, आचरण और कार्यशैली पर लगातार नजर रखने को कहा गया है।इसके अलावा महिला फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने का भी आदेश दिया गया है। महिलाओं की शिकायतें प्राथमिकता के आधार पर बिना देरी दर्ज करनी होंगी। पूछताछ के दौरान महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी और किसी भी महिला शिकायतकर्ता को बेवजह थाने में बैठाकर रखने पर रोक लगाई गई है। दुर्व्यवहार, दबाव बनाने या अभद्र टिप्पणी की शिकायत मिलने पर संबंधित पुलिसकर्मी के साथ थाना प्रभारी की जवाबदेही भी तय की जाएगी।

जेटेट परीक्षा को लेकर प्रशासन रहा अलर्ट, डीसी-एसपी ने नियंत्रण कक्ष व विभिन्न केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

परीक्षा की पवित्रता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं :उपायुक्त

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू



मेदिनीनगर (पलामू): झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रविवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत एवं पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के साथ जिला नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण कर परीक्षा संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान अधिकारियों ने योध सिंह नामधारी महाविद्यालय, राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय (जिला स्कूल) सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। साथ ही द्वितीय पाली की परीक्षा को लेकर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया। जिला नियंत्रण कक्ष के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मॉनिटरिंग सिस्टम, सूचना संप्रेषण व्यवस्था तथा प्रतिनियुक्त कर्मियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा समस्या मिलने पर तत्काल संज्ञान लेते हुए वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि समय रहते उसका समाधान किया जा सके।परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पवित्रता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। सभी केंद्रों पर अनुशासन, सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के साथ परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा।उपायुक्त श्री शेखावत ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडेय एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

9 साल के लंबे इंतजार के बाद हुई जेटेट परीक्षा , शिक्षक बनने की उम्मीद को मिली नई राह

झारखण्ड उजाला, संवाददाता



सिंदरी/धनबाद। झारखंड में करीब नौ साल के लंबे इंतजार के बाद रविवार, 1 नवंबर को झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट-2026) का आयोजन किया गया। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा धनबाद के 108 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से आयोजित इस परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में खासा उत्साह देखा गया। इससे पहले वर्ष 2016 में जेटेट परीक्षा आयोजित हुई थी। नियमों और पात्रता संबंधी विवादों के कारण लंबे समय तक परीक्षा नहीं हो सकी थी। इस बार पुराने अभ्यर्थियों को आयु सीमा में भी विशेष छूट दी गई है। सिंदरी में परीक्षा के लिए सिंदरी महाविद्यालय और मदर टेरेसा स्कूल को केंद्र बनाया गया था। सिंदरी महाविद्यालय में पहली पाली में 600 तथा दूसरी पाली में 161, कुल 761 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा में शामिल होने के लिए बोकारो, गिरिडीह, रांची, जामताड़ा सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सिंदरी पहुंचे थे। परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था और शांतिपूर्ण संचालन के लिए अंचल अधिकारी एवं सिंदरी थाना प्रभारी मौजूद रहकर निगरानी करते रहे। लंबे अंतराल के बाद परीक्षा आयोजित होने से शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में नई उम्मीद जगी है।

तंबाकू नियंत्रण को लेकर छापेमारी, 11 दुकानदारों से वसूला गया जुमार्ना



देवघर। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत देवघर जिले में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा)-2003 के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए छापेमारी अभियान चलाया गया। सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद मिश्रा एवं जिला नोडल पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार गुप्ता के निर्देश पर छापेमारी दल ने कुंडा थाना क्षेत्र के कोरियासा, कुंडा रोड और पांडेय मोड़ के आसपास विभिन्न दुकानों की जांच की।अवर निरीक्षक सामु बंडो की अध्यक्षता में चलाए गए अभियान के दौरान कुल 25 दुकानों की जांच की गई। इनमें 11 दुकानों अथवा व्यक्तियों को कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुए पाया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों से अर्थदंड के रूप में कुल 3,750 रुपये की वसूली की गई।छापेमारी के दौरान दुकानदारों को कोटपा कानून तथा झारखंड में किए गए संशोधनों के प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, तंबाकू उत्पादों की बिक्री से जुड़े नियमों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं करने के निदेर्शों से अवगत कराया गया।अभियान दल ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने, तंबाकू उत्पादों की अनियमित बिक्री पर नियंत्रण रखने और लोगों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी दल ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि तंबाकू नियंत्रण कानून का उल्लंघन करने पर नियमानुसार जुमार्ना एवं अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, प्रतिबंधित क्षेत्रों में तंबाकू उत्पादों की बिक्री और अन्य उल्लंघनों पर रोक लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी चलाए जाएंगे।

151वीं जयंती पर पटेल चौक स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर सांसद सहित गणमान्य लोगों ने किया माल्यार्पण, बुलंद किए अमर रहें के नारे

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

सरदार पटेल ने बिखरे भारत को एक सूत्र में पिरोकर अखंड राष्ट्र का निर्माण किया : मनीष जायसवाल



हजारीबाग: राष्ट्र की एकता, अखंडता और अटूट संकल्प के अमर प्रतीक भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को हजारीबाग शहर के पटेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सहित विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं जनसंगठनों से जुड़े गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने 'लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहें' के गगनभेदी नारे लगाकर उनके राष्ट्रनिर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने अद्भुत नेतृत्व, प्रखर राष्ट्रदृष्टि और अडिग निष्ठा के बल पर भारत की बिखरी हुई रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड राष्ट्र के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी कार्यशक्ति, अनुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता ने भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और सामाजिक समरसता के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने किसानों, मजदूरों और आम जनता के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को यह संदेश दिया कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य सत्ता का सुख भोगना नहीं, बल्कि जनसेवा और मानवता की सेवा करना है। उनका जीवन और विचार आज भी देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकसूत्र में पिरोने का जो काम किया वह आज भी अनुकरणीय है । मौके पर झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, शंकर राणा, अजीम अंसारी, जन जागरण केंद्र के सचिव संजय कुमार, झारखंड आंदोलनकारी चंद्रनाथ भाई पटेल, चंद्रमोहन पटेल, राकेश सिंह, भाजपा नेता जीवन मेहता, मुनेष ठाकुर, प्रो. प्रमोद सिंह, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रोहित कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में सत्ता और सियासत की नई जंग, चर्चा में शिवराज



सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों फिर वही पुराना सवाल सिर उठाने लगा है कि क्या सूबे की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान का दखल अब भी उतना ही दमदार है, या मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी अलग लकीर खींचने में जुटे हैं? ऊपर से सब कुछ भाजपा के अनुशासित कुनबे जैसा दिखता है, लेकिन बुधनी के कोसमी गांव से लेकर किसानों की मूंग खरीदी और लाड़ली बहना योजना तक, कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने भोपाल के सियासी गलियारों में चचाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि ताजा चिंगारी सीहोर जिले के कोसमी गांव से उठी है। यह वही इलाका है, जहां शिवराज सिंह चौहान की बरसों पुरानी राजनीतिक जमीन रही है। गांव में आदिवासी परिवारों के मकान हटाए जाने, फसलों को नुकसान पहुंचने और कुओं को मिट्टी से भरने की शिकायतों पर शिवराज ने अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर दिया। उनका रुख साफ था कि सरकार किसी की भी हो, गरीब और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करने की बात कही।

देखा जाये तो राजनीति में बात सिर्फ इतनी नहीं है कि किसी गांव में मकान टूटे और एक नेता ने नाराजगी जता दी। सवाल यह है कि शिवराज ने यह आवाज उस सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। मोहन यादव ने भी मामले को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने मुख्य सचिव से जांच कराने और प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास तथा भोजन की व्यवस्था करने की बात कही। दूसरी तरफ, कलेक्टर की रिपोर्ट में वन भूमि पर अतिक्रमण और सागौन के पौधों को नुकसान पहुंचाने के आरोप सामने आए। यानी मामला केवल सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि वन संरक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई और आदिवासी परिवारों के अधिकारों का भी है।

लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में हर घटना का एक स्थानीय और एक राजनीतिक अर्थ होता है। कोसमी का मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शिवराज ने जिस इलाके में लंबे समय तक अपनी राजनीतिक पकड़ बनाई, वहीं की घटना पर उनका इस तरह सामने आना कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल अपने पुराने मतदाताओं के प्रति जवाबदेही है, या इसके पीछे भोपाल की सत्ता के साथ तालमेल का कोई बड़ा सवाल भी छिपा है?



इस कहानी का दूसरा सिरा लाड़ली बहना योजना से भी जुड़ता है। शिवराज की राजनीति की पहचान बनी इस योजना ने प्रदेश में महिलाओं के बीच उनकी अलग छवि बनाई। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से योजना के खर्च को भारी बताने वाली टिप्पणी ने पुरानी राजनीतिक विरासत और मौजूदा सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है। शिवराज के लिए यह योजना महज सरकारी खर्च का हिसाब नहीं, उनकी राजनीतिक पहचान का भी हिस्सा है। वहीं, मौजूदा सरकार के सामने बजट, दूसरी योजनाओं और विकास कार्यों के बीच संतुलन बैठाने की चुनौती है। तीसरा मोर्चा किसानों का है। मूंग की खरीदी को लेकर जब किसान परेशान हुए, तब केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खरीद तेज करने की मांग की। राज्य सरकार को आखिरकार खरीदी बढ़ाने की मांग पर सहमति देनी पड़ी। देखा जाये तो यहां भी तस्वीर दिलचस्प है। केंद्र में मंत्री शिवराज, राज्य में मुख्यमंत्री मोहन यादव और बीच में किसान, जिनकी फसल और भुगतान का सवाल सीधे सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। शिवराज का हस्तक्षेप किसानों के लिए मददगार हो सकता है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह राज्य सरकार पर दबाव भी बनाता है। यही वजह है कि शिवराज बनाम मोहन की चर्चा बार-बार लौट आती है। एक तरफ शिवराज हैं, जिनकी पहचान लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के गांव-गांव में बने पुराने संपर्कों से जुड़ी है। दूसरी तरफ मोहन यादव हैं, जिन्हें अपनी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक फैसलों और नेतृत्व की अलग पहचान स्थापित करनी है। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, मगर प्रदेश की राजनीति में उनका असर एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता।

फिर भी, हर मतभेद को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई मान लेना जल्दबाजी होगी। भाजपा में संगठन का अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका है। अभी तक सामने आई घटनाएं प्रशासन, किसान नीति और राजनीतिक विरासत पर मतभेद दिखाती हैं; मगर वे किसी औपचारिक सत्ता-संघर्ष को साबित नहीं करतीं। फिलहाल मध्य प्रदेश की राजनीति का असली इम्तिहान बयानों से आगे होगा। कोसमी की जांच में क्या कार्रवाई होती है, प्रभावित परिवारों को क्या राहत मिलती है, लाड़ली बहना योजना को लेकर राज्य सरकार क्या फैसला करती है और किसानों की खरीदी व्यवस्था कितनी दुरुस्त होती है, इन सवालों के जवाब ही आगे की तस्वीर साफ करेंगे।

बहरहाल, भोपाल की सियासत में मामा शिवराज की हुंकार अब भी गूंज रही है, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपने फैसलों से सत्ता पर अपनी पकड़ और नेतृत्व की लकीर खींचने में जुटे हैं। दोनों के बीच सियासी खिंचाव की आहट साफ सुनाई दे रही है, लेकिन इसे खुली जंग का नाम देना अभी जल्दबाजी होगी। असली तस्वीर तब खुलेगी जब यह सामने आये कि कोसमी के मामले में सरकार के कदम क्या होते हैं, लाड़ली बहना योजना पर क्या रुख अपनाया जाता है और किसानों के सवाल पर किसका पलड़ा भारी पड़ता है। क्योंकि मध्य प्रदेश की राजनीति में सियासी इरादे सिर्फ बयानों से जाहिर नहीं होते, उनका असली रंग फैसलों में दिखता है। भोपाल में फिलहाल बयान गूंज रहे हैं, लेकिन निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगली चाल कौन चलता है और बाजी किस करवट बैठती है?

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन उसके लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यों में सफलता मिलने से नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे। निवेश से बचना होगा। पारिवारिक संबंध मधुर होंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से विवाद हो सकता है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग बनेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। लंबे समय से अटकी योजना पूरी हो सकती हैं। नौकरी के नए अवसर मिलने की संभावना रहेगी। कार्यभार अधिक होने से शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस करेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में किसी से मनमुटाव हो सकता है। मित्रों की सलाह काम आएगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। यात्रा सुखद रहेगी। धर्म कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार की स्थिति यतावत रहेगी। कठिन परिश्रम से सभी कार्य सफल होंगे और मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा, अनावश्यक खर्च बढने से तनाव में रह सकते हैं। स्वास्थ्य की स्थिति कमजोर रहेगी। दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। धर्म-ध्यान में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। परिवार में बड़ों का स्नेह व विश्वास प्राप्त होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिल सकता है, लेकिन फैसले सोच-समझकर लेने होंगे। सौदे संभलकर करें, अन्यथा किसी बड़े नुकसान की भी संभावना रहेगी। मित्रों से अच्छे संबंध रहेंगे और परिवार में हर्ष-उल्लास का वातावरण रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग में उत्साह बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। यात्रा पर जाने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना रहेगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी रहेंगे। आमदनी बढ़? से मानसिक सुख की प्राप्ति होगी और परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। घर में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा और नौकरी में तरक्की के साथ स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। लम्बे समय से प्रयासरत कार्यों में सफलता मिलेगी। आमदनी में वृद्धि से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होने से तनाव झेलना पड़ सकता है। खान-पान में सावधानी रखें। मित्रों से कार्यों में मदद मिलेगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आशानुरूप सफलता और फायदा मिलेगा। व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। अधिक परिश्रम से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान व अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी मोटी यात्रा करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभकारी सौदे होंगे। व्यापारिक रुकावटें दूर होंगी। नए निवेश के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। अनावश्य खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल सुखमय होगा। जीवनसाथी से सामंजस्य बना रहेगा। खान-पान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आ सकती है।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। संपर्कों के जरिए प्रगति के नए अवसर मिलेंगे, जिससे ऊर्जा व उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे। पैतृक संपत्ति से धनलाभ होने के योग रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। सेहत का ख्याल रखें। यात्रा लाभदायी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन आर्थिक रूप से लाभकारी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने के योग रहेंगे। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। व्यक्तिगत स्वार्थ हावी हो सकता है। सेहत संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कारोबार के सिलसिले में यात्रा भी कर सकते हैं। परिवार में किसी से मनमुटाव की संभावना रहेगी।

कुंभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को थोड़ी अड़चनें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार बढ़ेगा और खर्च की अधिकता से आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। सामाजिक कार्यों में मन लगेगा व समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण करेंगे। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। सफलता के कई अवसर हाथ आएंगे, लेकिन काम का बोझ बढने से कई मौके हाथ से फिसल भी सकते हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाणी पर संयम रखकर वाद-विवाद से बच सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। निवेश सोच समझकर करें। यात्रा पर जाने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।



वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हो पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम भी ताक में रख दिए गए हैं और आमनागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह से पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हांलाकि एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवष्य बढावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। खैर वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरे हो गए हैं और सामान्य हालात होने के अभी तो दूर दूर तक आसार ही नहीं दिख रहे हैं।

भारत का भविष्य दांव पर, खतरे में आने वाली पीढ़ियां

लगता है कि भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई मोदी सरकार को अस्थिर करने की कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिमी देशों और वैश्विक संस्थाओं के समक्ष की गई अपील अब असर दिखाने लगी है। एक के बाद एक चुनावों में भाजपा को हराने में नाकाम रहने वाले राहुल गांधी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यही राग अलापते रहे कि पश्चिमी देश भारत में 'लोकतंत्र की पुनर्स्थापना' के लिए मदद नहीं कर रहे हैं। हालांकि अंतरराष्ट्रीय ताकतों से भारत के घरेलू मामलों में दखल देने की इस शर्मनाक अपील को उस समय कोई खास तवज्जो नहीं मिली थी, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि पश्चिमी देशों और खुद भारत के भीतर सक्रिय शक्तियों के बीच साठगांठ मजबूत होती जा रही है। यह एक विचित्र दुर्योग है कि जब कांग्रेस ने देश में अराजकता को बढ़ावा देकर मोदी सरकार को अस्थिर करने की व्यापक मुहिम शुरू की, उसी दौरान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्यालय ने भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों एवं परंपराओं पर नसीहत देना शुरू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने उसे दो-टूक जवाब देकर बिल्कुल सही किया कि वह अपने काम से काम रखे।

आखिर संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नसीहत देने की यह जुर्रत कहां से आई? इसके जिम्मेदार राहुल गांधी जैसे लोग ही हैं। राहुल गांधी की गैर-जिम्मेदाराना हरकतों की कोई सीमा नहीं रह गई है। इसी क्रम में वे दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति एलन मस्क की भारत विरोधी भावनाओं के साथ सुर मिलाते दिखे। अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदाता स्टारलिंक को भारत में लाइसेंस न मिलने पर तिलमिलाए मस्क ने जब अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर झुंझलाहट दिखानी शुरू की तो राहुल उनके साथ हो लिए।

इस मामले में वास्तविकता यह है कि मस्क की कंपनी भारत में नियमन के पैमानों को अभी तक पूरा नहीं कर पाई, लेकिन उन्होंने अपनी खीझ भारतीय उद्यमियों और सरकार पर उतारनी शुरू कर दी। इसमें राहुल उन्हें एक तरह से उकसाते नजर आए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भी जब भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनमी बताया था तो राहुल ने उनसे सहमति जताने में देर नहीं लगाई थी, जबकि हकीकत यह है कि हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को लेकर अपना अनुमान और बढ़ाया है। वह भी तब जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिरता एवं सुस्ती से जूझ रही है।

भारत को धमकाने से जुड़ी मस्क की मंशा को हल्के में नहीं लिया जा सकता। मस्क ने बोलीविया के निर्वाचित राष्ट्रपति को सत्ता से बेदखल करने के लिए अमेरिका को उकसाया था, क्योंकि बोलीवियाई राष्ट्रपति अपने लीथियम भंडार मस्क को औने-पौने दाम पर देने और इसके लिए लाइसेंस देने के पक्ष में नहीं थे। जब एक्स पर किसी यूजर ने मस्क को इस तख्तापलट की साजिश रचने का 'दोषी' ठहराया, तो उन्होंने बहुत अहंकार भाव से जवाब दिया कि 'हम जिसका चाहें तख्तापलट करेंगे, जिसे जो करना है कर ले।' तख्तापलट को लेकर मस्क की ऐसी दंभ से भरी स्वीकारोक्ति यही दर्शाती है कि कि स्टारलिंक लाइसेंस विवाद पर मोदी सरकार से उपजी उनकी हताशा और भारत में राहुल गांधी द्वारा पैदा की जा रही अस्थिरता को अलग-अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए।

भारत के कल को अंधकार में धकेलने की कोशिश

पिछले दिनों वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी कानून के दुरुपयोग एवं उनकी जटिलताओं से परेशान कारोबारियों को बड़ी राहत दी। नई व्यवस्था के अनुसार अब जीएसटी अधिकारी कारोबारियों को जीएसटी कानूनों का हवाला देकर गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे और इसके लिए उन्हें कोर्ट से आदेश लेना होगा। इसमें संदेह नहीं कि देश में जीएसटी कानूनों का दुरुपयोग हुआ है, लेकिन यह दुरुपयोग केवल जीएसटी कानून या किसी एक कानून तक सीमित नहीं रहा है और यह भी आवश्यक नहीं है कि दुरुपयोग अधिकारियों द्वारा ही किया गया हो, जनता द्वारा कानूनों के दुरुपयोग के मामले भी प्रायः सामने आते रहते हैं।

कानून देश की नींव होते हैं और पूरे देश की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और विधिक संरचना कानूनों पर ही आधारित होती है। कानूनों का निर्माण एक ओर नागरिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की प्राप्ति सुनिश्चित करने और दूसरी तरफ समाज और देश में शांति, सुरक्षा, अनुशासन, व्यवस्था, विकास और प्रगतिशीलता बनाए रखने के लिए किया जाता है। कानूनों का निर्माण उनके ईमानदार एवं सच्चाई से उपयोग तथा अनुपालन के उद्देश्य से होता है, परंतु स्थिति तब विकट हो जाती है जब नेक नीयत से बनाए गए कानूनों का दुरुपयोग होने लगता है। यह स्थिति देश में विधि के शासन पर स्थापित व्यवस्था के लिए न केवल गंभीर चुनौती पेश करती है, बल्कि उस अवधारणा को कमजोर कर उसके समक्ष विश्वास का संकट खड़ा कर देती है।

भारत में व्यक्तिगत विवादों में कानूनों का दुरुपयोग एक पुरानी समस्या है, लेकिन आज यह केवल कुछ व्यक्तिगत विवादों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह न्याय-प्रणाली, पुलिस-तंत्र और मुकदमेबाजी की संस्कृति से जुड़ा एक गंभीर संरचनात्मक संकट बन चुका है।

कानून का उपयोग अधिकारों और दायित्वों के ईमानदारी से क्रियान्वयन के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन जब किसी कानून का प्रयोग दबाव डालने, प्रतिशोध लेने, लाभ-प्राप्ति के लिए या विलंब के एक औजार के रूप में होने लगे, तब उसका नैतिक और संवैधानिक संतुलन बिगड़ जाता है। देश में लंबित मामलों, विचाराधीन कैदियों और अत्यधिक बोझिल आपराधिक न्याय-व्यवस्था ने कानूनों के दुरुपयोग के लिए अनुकूल स्थिति बनाई है। राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड के अनुसार, 30 जुलाई, 2026 तक कुल 4,99,11,920 मामले लंबित थे, जिनमें लाखों आपराधिक और सिविल विवाद थे। 31 दिसंबर, 2024 तक भारत की जेलों की क्षमता 4,53,769 थी, लेकिन वहां 5,11,542 कैदी बंद थे, यानी जेलें 112.7 प्रतिशत क्षमता पर चल रही थीं। इसी तारीख पर 3,71,440 कैदी विचाराधीन कैदी थे, जो कुल जेल-जनसंख्या का लगभग 72.6 प्रतिशत था।

भारत में सामान्यतः लगभग हरेक कानून का दुरुपयोग होता है, मगर सर्वाधिक दुरुपयोग वैवाहिक, पारिवारिक, संपत्ति-विवादों और जाति- भेदभाव संबंधी विवादों में दिखता है। कई मामलों में गंभीर शिकायतें वास्तविक होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में शिकायतों का इस्तेमाल बदला, दबाव या समझौते के साधन के रूप में किया जाता है। घरेलू विवाद, दहेज-संबंधी आरोप, संपत्ति पर कब्जे और पड़ोसियों के झगड़ों में झूठी प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी कराने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे में मुकदमे का परिणाम चाहे जो हो, लेकिन प्रक्रिया-भर में प्रतिवादी को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक क्षति झेलनी पड़ती है।



छठ के बाद ट्रेनें फुल, विमान किराया दोगुना; परदेसियों की बढ़ी मुश्किलें

एजेंसी

पटना। छठ महापर्व के बाद काम पर लौटने वाले प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 17 से 22 नवंबर के बीच दिल्ली, मुंबई, गुजरात और पंजाब जाने वाली कई नियमित ट्रेनों में नो रूम और लंबी वेटिंग लिस्ट की स्थिति है। श्रमजीवी, मगध, अजीमाबाद और लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। दशहरा और दिवाली के बाद छठ महापर्व मनाने के लिए किसी तरह घर पहुंचे प्रवासियों की मुश्किलें अब वापसी को लेकर बढ़ गई हैं। पर्व समाप्त होने के बाद काम पर लौटने के लिए यात्रियों को ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई, गुजरात और पंजाब जाने वाली नियमित ट्रेनों में 17 नवंबर से लेकर अगले एक सप्ताह तक सीटें फुल हो चुकी हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 100 के पार पहुंच गई है, जबकि कुछ



में नो रूम की स्थिति बन गई है। दूसरी ओर, ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण विमानन कंपनियों ने भी हवाई किराया बढ़ा दिया है। पटना से दिल्ली और मुंबई जाने वाली फ्लाइट का किराया सामान्य दिनों के मुकाबले कई गुना तक महंगा हो गया है। 17 नवंबर से नियमित ट्रेनों में नो रूम, वेटिंग 100 के पार 16 नवंबर को छठ महापर्व के अंतिम दिन सुबह के अर्घ्य और पारण के बाद 17 नवंबर से काम पर लौटने वाले यात्रियों की भीड़ बढ़ने की संभावना है। इसका असर अभी से रेलवे टिकटों की उपलब्धता पर दिखने लगा है। राजगीर से नई दिल्ली जाने वाली 12391 श्रमजीवी एक्सप्रेस में 17 नवंबर से स्लीपर और थर्ड एसी श्रेणी में वेटिंग 100 के पार पहुंच चुकी है। वहीं, 16 नवंबर से पहले इसी ट्रेन में वेटिंग की संख्या 10 से कम थी। यही स्थिति इस्लामपुर से खुलने वाली मगध एक्सप्रेस, अहमदाबाद जाने वाली अजीमाबाद एक्सप्रेस और मुंबई जाने वाली लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस की भी है। इन प्रमुख ट्रेनों में 17 से 22 नवंबर के बीच भारी वेटिंग और नो रूम के हालात बन चुके हैं। ऐसे में छठ के बाद अपने कार्यस्थलों पर लौटने की तैयारी कर रहे यात्रियों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। पटना से दिल्ली और मुंबई का हवाई किराया आसमान पर ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिलने का असर हवाई यात्रा पर भी दिखाई दे रहा है। यात्रियों की बढ़ती मांग के बीच विमानन कंपनियों ने किराये में भारी बढ़ोतरी कर दी है। आम दिनों में पटना से दिल्ली का हवाई किराया 4,000 से 7,000 रुपये के बीच रहता है, लेकिन 16 से 20 नवंबर के दौरान यह बढ़कर 9,000 से 15,000 रुपये तक पहुंच गया है। वहीं, पटना से मुंबई जाने वाली फ्लाइट का किराया भी सामान्य दिनों के मुकाबले करीब तीन गुना महंगा हो गया है। इसके लिए यात्रियों को 17,000 से 30,000 रुपये से अधिक तक खर्च करने पड़ रहे हैं। हालांकि, 20 नवंबर के बाद हवाई किराये में कुछ नरमी आने की उम्मीद है। फिलहाल महंगे टिकटों के कारण हवाई सफर भी यात्रियों की जेब पर भारी पड़ रहा है। स्पेशल ट्रेनें दे सकती हैं राहत, रेलवे ने की व्यवस्था वापसी के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने राहत देने के लिए कई पूजा स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। इनमें 17 से 22 नवंबर तक चलने वाली पाटलिपुत्र-आनंद विहार स्पेशल, 26 नवंबर तक चलने वाली पटना-नई दिल्ली वंदे भारत स्पेशल और पटना-नई दिल्ली अनारक्षित व आरक्षित स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। जानकारों के मुताबिक, नियमित ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिलने पर यात्रियों को इन स्पेशल ट्रेनों में उपलब्ध सीटों की जानकारी लेकर जल्द बुकिंग करानी चाहिए। इनमें अभी कुछ सीटें उपलब्ध होने की बात कही जा रही है। हालांकि, यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ये सीटें भी जल्द भर सकती हैं। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग और हवाई किराये में भारी बढ़ोतरी के बीच यात्रियों के सामने विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में स्पेशल ट्रेनों में टिकट बुकिंग के अलावा तत्काल टिकट भी वापसी का एक विकल्प है। छठ के बाद काम पर लौटने की जल्दबाजी में यात्रियों को अब पहले से अपनी यात्रा की योजना बनानी पड़ रही है। घर पहुंचने की खुशी के बाद अब सबसे बड़ी चिंता समय पर अपने कार्यस्थल तक वापस पहुंचने की है।

पटना में डाटा एंट्री ऑपरेटर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, जेपी गोलंबर पर पुलिस ने की बैरिकेडिंग



एजेंसी

पटना। पटना में बेल्ट्रॉन डाटा एंट्री ऑपरेटर बहाली लंबित होने से अभ्यर्थी नाराज हैं. जेपी गोलंबर पर प्रदर्शन की तैयारी के बीच पुलिस की बैरिकेडिंग. जानिए आगे की रणनीति. पटना में बेल्ट्रॉन के तहत डाटा एंट्री ऑपरेटर की लंबित बहाली को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी है. इसी को लेकर अभ्यर्थी प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं. उनकी मांग बहाली प्रक्रिया को लेकर है. प्रदर्शन के जरिए अभ्यर्थी अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाना चाहते हैं. जेपी गोलंबर पर पहुंचेंगे अभ्यर्थी प्रदर्शन में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के गांधी मैदान स्थित जेपी गोलंबर पहुंचने की जानकारी है. इसे देखते हुए इलाके में हलचल बढ़ गई है. पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेड्स लगाए हैं, ताकि प्रदर्शन के दौरान व्यवस्था बनाए रखी जा सके. पुलिस ने की बैरिकेडिंग अभ्यर्थियों के जुटने की संभावना को देखते हुए पुलिस ने जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग की है. हालांकि, प्रदर्शन में कितने अभ्यर्थी शामिल होंगे और उनकी आगे की रणनीति क्या होगी, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है.

बिहार के 14 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट, पटना में पांच नवंबर तक कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

पटना। बिहार में आंधी और बारिश के अलर्ट वाले जिलों में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषकर खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक पटना समेत राज्य के कई हिस्सों में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। बिहार में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। पटना समेत कई जिलों में सुबह धूप निकली थी। लेकिन, 10 बजे से बाद से आसमान में बादल छा गए। गुलाबी ठंड महसूस होने लगी। कई जगह तो लोगों स्वेटर पहनकर बाहर निकल रहे हैं। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र, ने राज्य के 14 जिलों में आंधी और बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें



पटना, नालंदा, समस्तीपुर, सारण, वैशाली, जमुई, गया, नवादा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, लखीसराय और शेखपुरा शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी पटना में अगले पांच दिनों तक आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। दो नवंबर को सामान्य रूप से बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। पटना में पांच नवंबर तक कैसा रहेगा मौसम? मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक, एक नवंबर को पटना में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और धुंध का असर रह सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दो नवंबर को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस दिन हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। तीन नवंबर को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री रहने का अनुमान है। वहीं, चार और पांच नवंबर को अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इन दोनों दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में कहां-कितना तापमान रिकॉर्ड किया गया? मौसम विभाग की ओर से जारी 31 अक्टूबर के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में सबसे अधिक 32.7 डिग्री सेल्सियस तापमान भभुआ में दर्ज किया गया। राजगीर में अधिकतम तापमान 31.3 डिग्री, अररिया के फारबिसगंज में 30.2 डिग्री, पूर्णिया में 30.4 डिग्री और भागलपुर में 30.5 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी पटना में अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

थाना चौकीदार की संदिग्ध मौत, जमीन पर पड़ा मिला शव

एजेंसी

पटना। बिहार के पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के कटेसर गांव निवासी थाना चौकीदार नागेंद्र कुमार की रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव घटनास्थल पर जमीन पर पड़ा मिला, जबकि बाइक पास में खड़ी थी। बिहार के पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में एक थाना चौकीदार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कटेसर गांव निवासी चौकीदार नागेंद्र कुमार का शव रविवार को घटनास्थल पर जमीन पर पड़ा मिला। उनकी बाइक भी पास में खड़ी थी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने नागेंद्र कुमार की मौत को सामान्य घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या की साजिश रचे जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। जमीन पर पड़ा मिला शव, पास में खड़ी थी बाइक नागेंद्र कुमार पिता स्वर्गीय केशव पासवान बिहटा थाना क्षेत्र के कटेसर गांव के रहने वाले थे और थाना चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। रविवार को उनकी मौत की सूचना मिलने के बाद बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार और एसआई राज कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि नागेंद्र कुमार की मौत किन परिस्थितियों में हुई। भाई और पत्नी ने जताई हत्या की साजिश की आशंका

नागेंद्र कुमार की मौत के बाद उनके परिजनों ने हत्या की साजिश का आरोप लगाया है। उनके छोटे भाई अमरजीत कुमार ने आशंका जताई कि किसी ने उनके भाई की हत्या की साजिश रची थी। वहीं, उनकी पत्नी सुधा देवी ने भी मामले में हत्या की साजिश होने का आरोप लगाया है। नागेंद्र कुमार के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटियां और एक बेटा हैं। परिजनों के आरोपों के बाद मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि नागेंद्र कुमार की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा। घटनास्थल की वैज्ञानिक तरीके से जांच कराने के लिए एफएसएल टीम को सूचना दी गई है। पुलिस टीम घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल चौकीदार की संदिग्ध मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व सांसद आरके सिन्हा, सीएम बोले- अपूरणीय क्षति हुई है

एजेंसी

पटना। पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. रविंद्र किशोर सिन्हा नोएडा स्थित आवास पर उनका निधन हो गया था। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत कई मंत्री और नेताओं ने राजनीति और उद्योग जगत में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि पूर्व सांसद डॉ. आर.के सिन्हा का जाना बिहार के लिए अपूरणीय क्षति है। दीघा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, पूर्व राज्यसभा सांसद और एसआईएस ग्रुप के संस्थापक डॉ. रविंद्र किशोर सिन्हा शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। पटना के दीघा घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। बेटे ऋतुराज सिन्हा ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले पाटलिपुत्र स्थित उनके आवास 'अन्नपूर्णा भवन' में पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए नेताओं और शुभचिंतकों का पहुंचना जारी रहा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना जताई। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने



पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत नेता को नमन किया। इस दौरान वह आरके सिन्हा के बेटे और भाजपा नेता ऋतुराज सिन्हा से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाते भी नजर आए। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने भी अन्नपूर्णा भवन पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। उनके अलावा भाजपा नेता और मंत्री दिलीप जायसवाल, मिथिलेश तिवारी, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित कई जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने अंतिम दर्शन कर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जनसंघ एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व राज्यसभा सांसद आर. के. सिन्हा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। पत्रकारिता, समाजसेवा एवं संगठन के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

'जनादेश की चोरी', दो निर्दलीय एमएलसी के भाजपा में शामिल होने पर मनोज झा का तीखा हमला

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीतने वाले बंशीधर ब्रजवासी और डॉ. राहुल राज के भाजपा में शामिल होने पर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। राष्ट्रीय जनता दल ने इसे दल-बदल कानून का उल्लंघन बताते हुए दोनों नवनिर्वाचित विधान पार्षदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। बिहार विधान परिषद चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल करने वाले दो नवनिर्वाचित विधान पार्षदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे



दल-बदल कानून का उल्लंघन बताते हुए दोनों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि पार्टी इस मामले में चुनाव आयोग और विधान परिषद के सभापति के पास शिकायत दर्ज कराएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई तो राजद आंदोलन करेगा। बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज की सदस्यता रद्द करने की मांग बिहार विधान परिषद चुनाव में तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से बंशीधर ब्रजवासी और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. राहुल राज ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत दर्ज की थी। चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद दोनों नवनिर्वाचित विधान पार्षद भाजपा में शामिल हो गए। इसी को लेकर राजद ने आपत्ति जताई है। राज्यसभा सांसद मनोज झा का कहना है कि कोई निर्दलीय निर्वाचित जनप्रतिनिधि किसी राजनीतिक दल को समर्थन तो दे सकता है, लेकिन वह विधिवत उस पार्टी की सदस्यता नहीं ले सकता। राजद का आरोप है कि भाजपा ने इस तरह जनादेश की चोरी की है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में अपने सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को कमजोर कर उसे समाप्त करने का प्रयास कर रही है। तेजस्वी यादव ने भी उठाया था संविधान और दल-बदल कानून का मुद्दा इस मामले में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी संविधान के प्रावधानों का हवाला दे चुके हैं। उन्होंने संविधान की दसवीं अनुसूची का उल्लेख करते हुए कहा था कि निर्दलीय निर्वाचित होने के बाद यदि कोई सदस्य किसी राजनीतिक दल की सदस्यता लेता है तो उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। तेजस्वी यादव ने संविधान के अनुच्छेद 191(2) और दसवीं अनुसूची के प्रावधानों का हवाला देते हुए विधान परिषद के सभापति से बंशीधर ब्रजवासी और डॉ. राहुल राज के खिलाफ तत्काल अयोग्यता की कार्रवाई करने का आग्रह किया है। एमएलसी चुनावः दरभंगा स्नातक सीट पर राजद का कब्जा, अनिल झा बोले- सड़क से सदन तक उठाएंगे स्नातकों की राजद ने इस पूरे मामले को दल-बदल कानून से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया है। सांसद मनोज झा के मुताबिक, पार्टी चुनाव आयोग और विधान परिषद के सभापति के समक्ष अपनी शिकायत रखेगी। राजद दोनों नवनिर्वाचित विधान पार्षदों की सदस्यता समाप्त करने की मांग कर रहा है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि यदि शिकायत के बाद भी कोई निर्णय नहीं लिया गया तो वह इस मुद्दे पर आंदोलन करेगी।

संक्षिप्त डायरी

पटना में जुटे देश भर के हृदय रोग विशेषज्ञ, मंत्री निशांत ने क्या कहा, कौन सा प्रस्ताव रखा गया

एजेंसी

पटना। कार्डिकॉन 2026 में देशभर के हृदय रोग विशेषज्ञों ने इलाज की नई तकनीकों और जटिल मामलों पर चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने उद्घाटन करते हुए युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक और हार्ट फेल्योर के मामलों पर चिंता जताई। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक कैथेटर तकनीक से नवजात शिशुओं के जन्मजात हृदय रोगों का भी इलाज संभव है। सम्मेलन में एंजियोप्लास्टी, मिनिमली इनवेसिव बाईपास सर्जरी और हार्ट अटैक के गोल्डन ऑवर में उपचार के महत्व पर भी चर्चा हुई। पटना में शनिवार को कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई), बिहार चैप्टर का 32वां वार्षिक अधिवेशन कार्डिकॉन 2026 शुरू हुआ। होटल मौर्य में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ और कार्डियक सर्जन जुटे हैं। इस वर्ष सम्मेलन की थीम रोकथाम से उपचार तक रखी गई है। इसमें हृदय रोगों की रोकथाम, आधुनिक उपचार पद्धतियों और चिकित्सा की नई तकनीकों पर चर्चा हो रही है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं में हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर और अचानक हृदय गति रुकने की बढ़ती घटनाओं को गंभीर चिंता का विषय बताया। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि हृदय रोगों से निपटने के लिए समय पर पहचान, रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली और जन-जागरूकता बेहद जरूरी है। बिहार सरकार स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जुटाने के लिए घर-घर अभियान चला रही है। इसके तहत हृदय रोगों से जुड़े मामलों की भी गणना की जाएगी। सरकार राज्य में हृदय रोगों की व्यापकता का आकलन करने के साथ उपलब्ध अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करेगी। इसके आधार पर राज्य के सभी हिस्सों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए आर्थिक मदद देने की व्यवस्था की भी बात कही। सम्मेलन के अध्यक्ष और एम्स पटना के सीटीवीएस विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बिहार में 'कार्डियोलॉजी कमीशन ऑफ बिहार' यानी बिहार हृदय रोग आयोग के गठन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस आयोग के माध्यम से हृदय रोगों की रोकथाम और उपचार के लिए एक समेकित व्यवस्था विकसित की जा सकती है। इसके तहत चिकित्सा शिक्षा के उच्च मानकों, आधुनिक उपकरणों, अस्पतालों के बुनियादी ढांचे और चिकित्सा सुविधाओं की निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। इसका उद्देश्य आधुनिक हृदय चिकित्सा की सुविधाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। सीएसआई बिहार चैप्टर के सचिव और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक सत्रों में देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ जटिल हृदय रोगों के उपचार और आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि 'हार्ट की सुरक्षा, सबकी सुरक्षा' के संदेश को दैनिक जीवन में अपनाने की जरूरत है। उन्होंने खान-पान में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम रखने तथा डायबिटीज और हाइपरटेंशन से बचाव पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गंभीर हार्ट अटैक के मामलों में भी समय पर इलाज मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है और हृदय को होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

सहकारी समितियों के चुनाव में अब बूथवार बनेगी मतदाता सूची

एजेंसी

पटना। सहकारी समितियों के चुनाव में अब मतदाताओं को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर वोट डालने की सुविधा मिलेगी. बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार ने बूथवार मतदाता सूची तैयार करने का निर्देश जारी किया है, जिसमें एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 700 मतदाता होंगे. नई व्यवस्था से दोहरी प्रविष्टियों की पहचान आसान होगी और फर्जी मतदान पर रोक लगाने में मदद मिलेगी सहकारी समितियों के चुनाव में अब मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र की जानकारी जुटाने और वोट डालने के लिए दूर जाने की परेशानी से राहत मिलेगी. चुनाव की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए अब मतदान केंद्र के अनुसार मतदाता सूची तैयार की जाएगी. बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार ने इस संबंध में नया निर्देश जारी किया है. इसके तहत सहकारी समितियों की मतदाता सूची वार्डवार, पंचायतवार, प्रखंडवार और जिलावार तैयार कर अलग-अलग मतदान केंद्रों से जोड़ी जाएगी. नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को उनके आवास के नजदीक मतदान की सुविधा देना और मतदाता सूची में मौजूद दोहरी एवं तिहरी प्रविष्टियों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करना है. प्राधिकार के संयुक्त सचिव कयूम अंसारी ने इस संबंध में निबंधक, सहयोग समितियां, बिहार, प्रबंध निदेशक कम्फेड, प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक, जिला सहकारिता पदाधिकारियों और दुग्ध उत्पादक सहकारी संघों के प्रबंध निदेशकों को निर्देश जारी किया है. इसमें स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में निर्वाचन के लिए मतदाता सूची तैयार करते समय नई प्रक्रिया का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा. पूर्व में जारी दिशा-निदेशों में भी इसी के अनुरूप संशोधन किया गया है. नई व्यवस्था के तहत मतदाता सूची तैयार करने में तीन तरह के अभिलेखों को आधार बनाया जाएगा. पहले खंड में पिछले चुनाव में इस्तेमाल की गई मतदाता सूची यथावत रखी जाएगी. दूसरे खंड में पिछले चुनाव के बाद नियमानुसार जोड़े गए नए सदस्यों के नाम शामिल होंगे, जबकि तीसरे खंड में हटाए गए सदस्यों की सूची कारण सहित तैयार की जाएगी. इन तीनों सूचियों के मिलान के बाद समेकित मतदाता सूची तैयार होगी. इसे अब खंड-घ के नाम से जाना जाएगा. इसी सूची को मतदान केंद्र के अनुसार वार्ड, पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर विभाजित किया जाएगा. एक बूथ पर अधिकतम 700 मतदाता प्राधिकार ने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या निर्धारित करने के तरीके में भी बदलाव किया है. अब प्रत्येक मतदान केंद्र से अधिकतम 700 मतदाताओं को जोड़ा जाएगा. मतदाताओं की संख्या और भौगोलिक स्थिति को देखते हुए सूची का विभाजन समिति की विशेष बैठक में किया जाएगा. जरूरत पड़ने पर बनेगा सहायक केंद्र यदि किसी विशेष वार्ड के मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र से जोड़ने के दौरान संख्या 700 से अधिक हो जाती है, तो उसी मूल मतदान केंद्र के साथ सहायक मतदान केंद्र बनाया जा सकेगा. सहायक केंद्र को मूल मतदान केंद्र से अलग स्थान पर स्थापित नहीं किया जाएगा. इसका उद्देश्य यह है कि किसी वार्ड के मतदाताओं को अनावश्यक रूप से अलग-अलग मतदान केंद्रों पर नहीं जाना पड़े. निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि मतदान केंद्र निर्धारित करते समय वार्ड की भौगोलिक स्थिति का विशेष ध्यान रखा जाएगा. किसी एक वार्ड के मतदाताओं के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों में नहीं बांटे जाएंगे. उदाहरण के तौर पर, यदि वार्ड संख्या एक से चार तक के 560 मतदाता हैं, तो उन्हें पहले मतदान केंद्र से ही जोड़ा जाएगा. इसी तरह वार्ड संख्या पांच से दस तक के मतदाताओं को दूसरे मतदान केंद्र से संबद्ध किया जाएगा. शेष वार्डों के मतदाताओं के लिए अलग मतदान केंद्र निर्धारित होगा. पंचायत के बीच नदी, पहाड़ी या अन्य भौगोलिक बाधा होने पर भी मतदाताओं की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी. आवासीय प्रमाण पत्र से भी जुड़वा सकेंगे पता मतदाता सूची में पता दर्ज करने को लेकर भी प्राधिकार ने व्यवस्था स्पष्ट की है. यदि समिति के अभिलेख में किसी सदस्य का वार्ड नंबर, पंचायत, प्रखंड या जिला का नाम दर्ज नहीं है, तो संबंधित सदस्य आवासीय प्रमाण पत्र के आधार पर इसे मतदाता सूची में दर्ज करा सकेगा. प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में समिति में सदस्यता लेते समय जमा कराए गए पुराने अभिलेख के आधार पर पता अंकित किया जाएगा. समिति की विशेष बैठक में मौजूद पर्यवेक्षकीय कर्मियों को भी प्रत्येक पृष्ठ पर मतदाताओं के पते की जांच करनी होगी. सूची के प्रत्येक पृष्ठ पर अध्यक्ष और प्रबंधक अथवा प्रशासक का नाम, पदनाम, मुहर, हस्ताक्षर और तिथि अनिवार्य होगी. पर्यवेक्षकीय कर्मी भी प्रत्येक पृष्ठ पर अपना हस्ताक्षर करेंगे. दोहरी प्रविष्टियों और फर्जी मतदान पर लगेगी रोक अब तक मतदाता सूची वार्ड, पंचायत, प्रखंड और जिला के अनुसार व्यवस्थित नहीं होने से कई व्यावहारिक समस्याएं सामने आती थीं. एक ही मतदाता का नाम दो या तीन जगह दर्ज होने पर उसकी पहचान करना मुश्किल होता था. मतदान केंद्रों के निर्धारण में भी गड़बड़ी की शिकायतें मिलती थीं.

कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना और शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती।

तीन साल से ज्यादा का निवेश क्षितिज होने पर उभरता है फायदा

बाजार की गिरावट में भी टिके कॉन्ट्रा फंड लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न संभव

निवेश मंत्रा

पांच साल में मिल सकता है बेहतर प्रदर्शन; धैर्य की परीक्षा भी



शेयर बाजार में गिरावट के दौर में निवेशकों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ज्यादातर निवेशक ऐसे समय में सुरक्षित विकल्प तलाशने लगते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक बाजार की कमजोरी में भविष्य के अवसर भी खोजते हैं। म्यूचुअल फंड की कॉन्ट्रा श्रेणी इसी सोच पर काम करती है। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने की कोशिश करते हैं, जिन्हें फिलहाल बाजार में पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा है, लेकिन जिनकी कारोबारी संभावनाएं लंबी अवधि में बेहतर हो सकती हैं। हालिया प्रदर्शन के आंकड़े संकेत देते हैं कि बाजार की मौजूदा कमजोरी के बीच कॉन्ट्रा फंड ने कुछ मजबूती दिखाई है। हालांकि, इस रणनीति का लाभ तुरंत मिलने की गारंटी नहीं है। इसमें निवेशकों को लंबा नजरिया और उतार-चढ़ाव सहने की क्षमता रखनी पड़ती है।

क्या होते हैं कॉन्ट्रा फंड?

कॉन्ट्रा फंड इक्विटी म्यूचुअल फंड की ऐसी श्रेणी हैं, जिनमें फंड मैनेजर बाजार की प्रचलित धारणा से अलग जाकर निवेश के अवसर तलाशते हैं। जब किसी कंपनी, उद्योग या शेयर को लेकर बाजार में निराशा होती है और उसका मूल्य कारोबारी संभावनाओं की तुलना में कम दिखाई देता है, तब ऐसे फंड उसमें निवेश पर विचार करते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हर गिरते शेयर में पैसा लगा दिया जाए। कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की गुणवत्ता, भविष्य में कमाई की संभावना व शेयर के मूल्यांकन का विश्लेषण जरूरी होता है। इस रणनीति के पीछे मान्यता है कि बाजार में किसी कंपनी के प्रति बनी नकारात्मक धारणा हमेशा कायम नहीं रहती। यदि कंपनी का कारोबार सुधरता है और निवेशकों का भरोसा लौटता है, तो उसके शेयर की कीमत में सुधार हो सकता है। इसे बाजार में मूल्य के सामान्य स्तर पर लौटने की प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है। हालांकि, यदि कंपनी की मुश्किलें स्थायी हैं, तो कम कीमत पर खरीदा गया शेयर भी नुकसान दे सकता है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **अवधि:** कम से कम तीन से पांच साल का नजरिया रखें। यह अवधि भी लाभ की गारंटी नहीं है।
- **जोखिम :** बाजार में लंबी गिरावट और कमजोर प्रदर्शन सहने की तैयारी होनी - चाहिए।
- **विविधीकरण:** पूरी रकम एक ही श्रेणी में लगाने से बचें।
- **तुलना का तरीका:** फंड के प्रदर्शन की तुलना उसके समकक्ष फंडों और उपयुक्त मानक सूचकांक से करें।
- **समीक्षा:** हर तिमाही के प्रतिफल से घबराकर फैसला न लें, लेकिन फंड की रणनीति और निवेश की गुणवत्ता पर नजर बनाए रखें।

तीन साल में दिखने लगता है रणनीति का असर : फाइनेंशियल एक्सप्रेस की 24 अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, तीन साल के आधार पर कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत वार्षिक चक्रवृद्धि प्रतिफल लगभग 12 प्रतिशत रहा, जबकि मध्य प्रतिफल करीब 13.2 प्रतिशत बताया गया। इसके मुकाबले लार्ज-कैप फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लगभग 9.3 प्रतिशत रहा। ये आंकड़े संबंधित अवधि में कॉन्ट्रा फंड के बेहतर प्रदर्शन की ओर संकेत करते हैं, लेकिन इन्हें भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं समझना चाहिए।

पांच साल में उभर सकती है बढ़त

कॉन्ट्रा निवेश की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें फंड मैनेजर बाजार की तत्कालीन पसंद के बजाय भविष्य की संभावनाओं पर दांव लगाता है। किसी उपेक्षित कंपनी के शेयर में निवेश करने के बाद बाजार को उसकी वास्तविक क्षमता पहचानने में कई साल लग सकते हैं। इस दौरान शेयर का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है और निवेशक का धैर्य डगमगा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल की अवधि में कॉन्ट्रा फंड श्रेणी का औसत प्रतिफल लार्ज-कैप फंडों के मुकाबले लगभग दोगुना रहा है। इससे संकेत मिलता है कि इस निवेश रणनीति को परिणाम देने के लिए पर्याप्त समय की जरूरत होती है। हालांकि, यह निष्कर्ष रिपोर्ट में दी गई संबंधित अवधि के आंकड़ों पर आधारित है। अलग-अलग समय में परिणाम बदल सकते हैं। इसलिए कॉन्ट्रा फंड में निवेश करने वालों के लिए तीन से पांच साल या उससे अधिक का नजरिया उपयोगी हो सकता है। लेकिन लंबी अवधि का चुनाव भी नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता।

एक साल में नुकसान भी कम नहीं

कॉन्ट्रा फंड की संभावनाओं के साथ उसके जोखिम को समझना भी जरूरी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल के आधार पर इस श्रेणी का प्रतिफल लगभग 8 प्रतिशत नकारात्मक रहा। यह गिरावट लार्ज-कैप फंडों के प्रदर्शन के आसपास थी। इससे स्पष्ट होता है कि कॉन्ट्रा फंड भी बाजार की कमजोरी से अछूते नहीं हैं। दरअसल, बाजार जिन कंपनियों को पसंद नहीं कर रहा होता है, उनमें निवेश करने का अर्थ यह भी है कि निवेशक को कुछ समय तक कमजोर प्रदर्शन झेलना पड़ सकता है। यदि कंपनी का कारोबार उम्मीद के मुताबिक नहीं सुधरता, तो नुकसान लंबा खिंच सकता है। इसलिए केवल इस आधार पर निवेश करना उचित नहीं कि कोई फंड हालिया गिरावट के दौरान बेहतर टिका रहा है।

पोर्टफोलियो में कितनी हो हिस्सेदारी

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार, कॉन्ट्रा फंड को पूरे निवेश पोर्टफोलियो का विकल्प बनाने के बजाय विविधीकृत निवेश व्यवस्था के एक हिस्से के रूप में देखना अधिक व्यावहारिक है। निवेशक अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश की अवधि के अनुसार इसमें सीमित राशि लगा सकते हैं। जिन लोगों को निकट भविष्य में पैसे की जरूरत है या जो बाजार में उतार-चढ़ाव से घबरा जाते हैं, उनके लिए यह श्रेणी उपयुक्त नहीं हो सकती।



निवेश बनाए रखें

कॉन्ट्रा फंड उन निवेशकों के लिए उपयोगी विकल्प हो सकते हैं, जो बाजार की अस्थायी निराशा के पीछे छिपे अवसर तलाशना चाहते हैं और लंबी अवधि तक निवेश बनाए रख सकते हैं। लेकिन बेहतर प्रतिफल की संभावना के साथ जोखिम भी जुड़ा है। इसलिए निवेश का फैसला केवल हालिया प्रदर्शन देखकर नहीं, बल्कि वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम सहने की क्षमता को ध्यान में रखकर करना चाहिए।



बच्चों को बचपन से सिखाएं पैसे की समझ, रहेंगे आर्थिक रूप से मजबूत

- छोटी-छोटी बचत की आदतें बनाएंगी जिम्मेदार नागरिक
- खर्च और फैसले लेने का सलीका सिखाना भी है जरूरी

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का बड़ा हिस्सा उनकी जरूरतें पूरी करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं देने में बीतता है। खिलौनों से लेकर मोबाइल, महंगे कपड़ों और मनोरंजन तक, बच्चों की हर फरमाइश पूरी करने की कोशिश की जाती है। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी चीज से वंचित न रहें। लेकिन इस कोशिश में अक्सर एक जरूरी सबक पीछे छूट जाता है। पैसे की कीमत और उसका सही इस्तेमाल। आर्थिक रूप से मजबूत भविष्य की नींव केवल अच्छी कमाई से नहीं, बल्कि बचपन में विकसित हुई वित्तीय समझ से भी पड़ती है। इसलिए बच्चों को पैसे का महत्व समझाना, खर्च करने में विवेक सिखाना और बचत की आदत विकसित करना उनकी परवरिश का अहम हिस्सा होना चाहिए।

1. बिना पैसे खर्च किए भी खुश रहना सिखाएं

बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि खुशी का हर जरिया बाजार से नहीं खरीदा जा सकता। परिवार के साथ समय बिताना, घर में मिलकर खाना बनाना, खेलना, किताबें पढ़ना और पार्क में घूमना भी आनंद के अच्छे साधन हैं। यदि बच्चे हर गतिविधि को किसी खरीदारी से जोड़कर देखेंगे, तो उनके मन में यह धारणा बन सकती है कि मनोरंजन के लिए पैसा खर्च करना अनिवार्य है। माता-पिता को अपनी दिनचर्या में ऐसे अवसर शामिल करने चाहिए, जिनमें बिना अतिरिक्त खर्च के भी परिवार खुशियां साझा कर सके।

2. हर मौके पर उपहार देना जरूरी नहीं

जन्मदिन, त्योहार, रिश्तेदारों से मुलाकात या किसी उपलब्धि पर उपहार देने की परंपरा आम है। उपहार देना गलत नहीं है, लेकिन इसे हर अवसर की अनिवार्यता बना देना उचित नहीं। बच्चों को समझना चाहिए कि किसी से मिलने जाना, उसके साथ समय बिताना और उसका हालचाल पूछना भी स्नेह जताने के महत्वपूर्ण तरीके हैं। हर मुलाकात में कुछ खरीदकर ले जाने की आदत अनावश्यक खर्च बढ़ा सकती है। माता-पिता स्वयं भी इस सोच को अपनाएं कि रिश्तों की मजबूती महंगे उपहारों से नहीं, बल्कि समय, सम्मान और अपनापन देने से बढ़ती है।

3. हर काम के बदले इनाम देने से बचें

बच्चों को घर के छोटे-मोटे कामों में शामिल करना अच्छी आदत है। हर काम के बदले पैसे या कोई उपहार देना सही तरीका नहीं है। यदि बच्चा अपना सामान व्यवस्थित करता है, किसी की मदद करता है या घर के सामान्य कामों में हाथ बंटाता है, तो उसे परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। हर अच्छे व्यवहार के बदले इनाम मिलने पर बच्चा यह सोच सकता है कि बिना किसी लाभ के काम करना जरूरी नहीं है। हालांकि, उम्र के अनुसार विशेष कामों के लिए सीमित प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

4. खरीदारी के नियम माता पिता मिलकर तय करें

बच्चों की हर मांग पूरी करना प्यार का प्रमाण नहीं है। कई बार माता-पिता किसी वस्तु के लिए मना करते हैं, लेकिन परिवार का दूसरा सदस्य उनकी बात काटकर वही चीज दिला देता है। इससे बच्चा सीमाओं को समझने के बजाय अलग-अलग लोगों से अपनी मांग मनवाना सीख सकता है। इसलिए माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच बच्चों के खर्च को लेकर स्पष्ट सहमति होनी चाहिए। दादा-दादी या नाना-नानी का स्नेह भी महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें बच्चों के लिए तय आर्थिक नियमों का सम्मान करना चाहिए।

5. जरूरत और चाहत के बीच अंतर बताएं

वित्तीय समझ विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका बच्चों को जरूरत और चाहत के बीच अंतर सिखाना है। भोजन, पढ़ाई की सामग्री और जरूरी कपड़े आवश्यकताएं हैं, जबकि नया खिलौना, महंगा खेल या बार-बार बदलने वाला इलेक्ट्रॉनिक सामान इच्छा की श्रेणी में आ सकता है। उम्र के अनुसार बच्चों को उदाहरण देकर यह अंतर समझाया जा सकता है। यदि उनके पास सीमित राशि है, तो उन्हें दो विकल्पों में से एक चुनने को कहें। उदाहरण के लिए, वे उस पैसे से कोई खिलौना खरीद सकते हैं या कुछ सप्ताह बचत करके अधिक उपयोगी वस्तु ले सकते हैं।

6. भावनात्मक दबाव में खरीदारी न करें

कई बार माता-पिता काम में व्यस्त रहने या बच्चों के साथ कम समय बिता पाने के कारण अपराधबोध महसूस करते हैं। इसकी भरपाई के लिए वे बच्चों को महंगे उपहार देते हैं या उनकी हर मांग पूरी कर देते हैं। इसी तरह, गलती करने या गुस्से में डांटने के बाद भी कुछ माता-पिता उपहार देकर स्थिति संभालने की कोशिश करते हैं। यह तरीका बच्चों को गलत संदेश दे सकता है कि नाराजगी, गलती या भावनात्मक दूरी को खरीदारी से दूर किया जा सकता है। बेहतर होगा कि माता-पिता बच्चों से खुलकर बात करें, उनके साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं और गलती होने पर उसे स्वीकार कर सुधार करें। पैसे के बजाय संवाद और व्यवहार को महत्व देना ज्यादा प्रभावी है।

7. छोटे आर्थिक फैसले लेने का अवसर दें

बच्चों को जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें उम्र के अनुरूप छोटे फैसले लेने देना चाहिए। खरीदारी के समय उन्हें तय बजट में से सामान चुनने दें। जेबखर्च देते हैं तो उसके कुछ हिस्से को खर्च, कुछ को बचत और जरूरत पड़ने पर कुछ को दूसरों की मदद के लिए अलग रखने की आदत डालें। बड़े बच्चों को बैंक खाते, बचत योजनाओं, ब्याज व चक्रवृद्धि वृद्धि जैसी अवधारणाओं की शुरुआती जानकारी भी दी जा सकती है। उन्हें यह समझाएं कि छोटी बचत भी समय के साथ बड़ी राशि बन सकती है।

जरूरत के समय पीपीएफ या पर्सनल लोन, कौन है बेहतर

ब्याज दर से लेकर चुकाने की अवधि तक समझें दोनों विकल्पों का अंतर

कम ब्याज के साथ भुगतान की शर्तों पर भी दें ध्यान

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर सबसे बड़ी चुनौती होती है कि रकम कहां से जुटाई जाए और उस पर कितना ब्याज चुकाना पड़ेगा। ऐसे समय में बैंक से पर्सनल लोन लेना एक आम विकल्प है, लेकिन यदि आपका सार्वजनिक भविष्य निधि यानी पीपीएफ खाता है तो उससे भी कर्ज लिया जा सकता है। दोनों विकल्पों में ब्याज दर, कर्ज की सीमा और भुगतान की अवधि का बड़ा अंतर है। इसलिए केवल कम ब्याज देखकर फैसला करने के बजाय अपनी जरूरत और भुगतान क्षमता को समझना जरूरी है।

ब्याज दर में बड़ा अंतर

पीपीएफ खाते पर मिलने वाले कर्ज का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी कम ब्याज दर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस पर सालाना एक प्रतिशत ब्याज लिया जाता है। हालांकि, मूल रकम समय पर नहीं चुकाने पर बकाया राशि पर ब्याज की दर बढ़कर छह प्रतिशत सालाना हो सकती है। इसलिए कम ब्याज का लाभ तभी मिलेगा, जब कर्ज की शर्तों का पालन किया जाए। दूसरी ओर, पर्सनल लोन की ब्याज दर बैंक, वित्तीय कंपनी, ग्राहक के क्रेडिट स्कोर और अन्य पात्रता शर्तों पर निर्भर करती है। यह सामान्यतः पीपीएफ लोन से काफी अधिक हो सकती है। कर्ज लेने से पहले ब्याज दर के साथ प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क भी जांचने चाहिए।

कितनी रकम मिलेगी

पीपीएफ से मिलने वाले कर्ज की सीमा खाते में मौजूद पात्र राशि और योजना के नियमों पर निर्भर करती है। सामान्य नियम के अनुसार, संबंधित आवेदन वाले वर्ष से पहले के दूसरे वित्त वर्ष के अंत में खाते में मौजूद पात्र बैलेंस का अधिकतम 25 प्रतिशत तक कर्ज मिल सकता है। इसके लिए खाते की अवधि और अन्य पात्रता शर्तें भी पूरी करनी होती हैं। पर्सनल लोन में मिलने वाली रकम ग्राहक की आय, नौकरी या कारोबार, क्रेडिट हिस्ट्री और बैंक की नीतियों के आधार पर तय होती है। यदि अधिक रकम की जरूरत है और पीपीएफ खाते से मिलने वाला कर्ज पर्याप्त नहीं है, तो पर्सनल लोन उपयोगी विकल्प हो सकता है।



भुगतान की अवधि भी समझें

पीपीएफ लोन में मूल रकम चुकाने के लिए 36 महीने यानी तीन साल तक का समय मिलता है। इसके बाद ब्याज चुकाने के लिए भी योजना के नियमों का पालन करना होता है। भुगतान में देरी होने पर ब्याज का बोझ बढ़ सकता है। पर्सनल लोन में आम तौर पर हर महीने समान किस्त यानी ईएमआई चुकानी होती है। इसकी अवधि एक साल से लेकर कई साल तक हो सकती है। लंबी अवधि चुनने से मासिक किस्त कम हो सकती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक चुकाना पड़ सकता है। इसलिए केवल कम ईएमआई देखकर लंबी अवधि का विकल्प नहीं चुनना चाहिए।

किस स्थिति में कौन सा विकल्प बेहतर?

यदि आपके पास पात्र पीपीएफ खाता है, कम रकम की जरूरत है और आप तय अवधि में कर्ज चुका सकते हैं, तो पीपीएफ लोन कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। लेकिन यदि बड़ी रकम चाहिए, पीपीएफ लोन की पात्रता नहीं है या नियमित मासिक किस्तों में भुगतान करना सुविधाजनक है, तो पर्सनल लोन पर विचार किया जा सकता है। कितनी रकम चाहिए, कर्ज कितने समय में चुकाया जा सकेगा और सभी शुल्क जोड़ने के बाद कुल भुगतान कितना होगा। कम ब्याज वाला विकल्प तभी बेहतर है, जब उसकी भुगतान शर्तें आपकी आर्थिक स्थिति के अनुकूल हों।

दस साल में मिडकैप ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न, जोखिम भी कम नहीं

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

निवेश मंत्रा

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के सामने अक्सर यह सवाल रहता है कि म्यूचुअल फंड की किस श्रेणी में पैसा लगाने से बेहतर रिटर्न मिल सकता है। कोई ज्यादा कमाई की उम्मीद में मिडकैप फंड चुनता है तो कोई अपेक्षाकृत बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश के लिए लार्जकैप को प्राथमिकता देता है। वहीं, फ्लेक्सीकैप फंड में निवेश करने वालों को बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का विकल्प मिलता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की सितंबर 2026 की रिपोर्ट बताती है कि पिछले पांच और दस साल के औसत सालाना रिटर्न में मिडकैप फंड सबसे आगे रहे। हालांकि, अधिक रिटर्न का अर्थ यह नहीं है कि हर निवेशक के लिए यही सबसे अच्छा विकल्प है।

पांच और दस साल का रिटर्न कितना रहा?

आईसीआरए एनालिटिक्स के म्यूचुअल फंड आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 तक की अवधि में तीनों श्रेणियों का औसत सालाना रिटर्न इस प्रकार रहा।

फंड श्रेणी	1 साल	3 साल	5 साल	10 साल
लार्जकैप	3.78%	8.05%	7.20%	10.72%
मिडकैप	5.24%	14.22%	13.41%	14.80%
फ्लेक्सीकैप	0.91%	10.33%	9.38%	12.48%

मिडकैप का औसतन रिटर्न 5 साल में 13.41%

आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड ने पांच साल में औसतन 13.41 प्रतिशत और दस साल में 14.80 प्रतिशत सालाना रिटर्न दिया। फ्लेक्सीकैप का रिटर्न क्रमशः 9.38 और 12.48 प्रतिशत रहा। लार्जकैप फंड पांच साल में 7.20 प्रतिशत और दस साल में 10.72 प्रतिशत के औसत सालाना रिटर्न पर रहे। इस तरह लंबी अवधि के प्रदर्शन में मिडकैप ने दोनों श्रेणियों को पीछे छोड़ा।

मिडकैप में ज्यादा कमाई की संभावना क्यों?

मिडकैप फंड मध्यम आकार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश करते हैं। ऐसी कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की संभावनाएं हो सकती हैं। यदि कंपनी की आय, मुनाफा और कारोबार तेजी से बढ़ता है, तो उसके शेयरों को भी फायदा मिल सकता है। यही वजह है कि अनुकूल बाजार में मिडकैप फंड बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।



लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थापित कंपनियां

लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों का कारोबार व्यापक और संचालन अपेक्षाकृत मजबूत हो सकता है। जो निवेशक छोटी कंपनियों के उतार-चढ़ाव से असहज होते हैं, वे इस श्रेणी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, लार्जकैप का अर्थ पूंजी की सुरक्षा नहीं है। शेयर बाजार में गिरावट आने पर बड़ी कंपनियों के शेयर भी टूट सकते हैं और फंड का मूल्य घट सकता है। पांच और दस साल के औसत रिटर्न में इस श्रेणी का प्रदर्शन मिडकैप तथा फ्लेक्सीकैप से पीछे रहा।

फ्लेक्सीकैप में निवेश की अधिक स्वतंत्रता

फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक नियामकीय नियमों के तहत बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार की परिस्थितियों और कंपनियों की संभावनाओं के अनुसार निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा मिलती है। इस श्रेणी ने पांच और दस साल के औसत रिटर्न में लार्जकैप से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन मिडकैप से पीछे रही। यह जरूरी नहीं कि हर फ्लेक्सीकैप फंड का जोखिम या रिटर्न समान हो। उसका प्रदर्शन इस बात पर भी निर्भर करता है कि प्रबंधक ने किन कंपनियों और क्षेत्रों में कितना निवेश किया है।

सितंबर की गिरावट ने जोखिम भी दिखाया

लंबी अवधि के बेहतर रिटर्न के बावजूद सितंबर 2026 में तीनों श्रेणियों का औसत प्रदर्शन नकारात्मक रहा। लार्जकैप फंड में औसतन 5.87 प्रतिशत, मिडकैप में 6.04 प्रतिशत और फ्लेक्सीकैप में 5.03 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि लंबी अवधि में अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेणी भी किसी महीने में बड़ी गिरावट झेल सकती है। इसलिए निवेशक को यह नहीं मानना चाहिए कि मिडकैप ने दस साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है तो वह आगे भी हर परिस्थिति में सबसे बेहतर रहेगा।

निवेशकों का भरोसा किस श्रेणी पर?

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सितंबरके आंकड़ों के अनुसार, मिडकैप फंड में 7,835 करोड़ का शुद्ध निवेश आया। अगस्त में यह राशि 6,989 करोड़ थी। फ्लेक्सीकैप में शुद्ध निवेश 6,702 करोड़ रहा, जो अगस्त के 5,059 करोड़ रुपये से अधिक था। लार्जकैप फंड में सितंबर में 859 करोड़ का शुद्ध निवेश आया, जबकि अगस्त में 1,147 करोड़ की शुद्ध निकासी हुई थी। 30 सितंबर 2026 को फ्लेक्सीकैप फंड की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां 5.88 लाख करोड़ रुपये, मिडकैप की 5.14 लाख करोड़ रुपये और लार्जकैप की 3.90 लाख करोड़ रुपये थीं।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती



हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।

भारत VS न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।



सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे



लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा... हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को



छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।

तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

नोएडा एनकाउंटर में मारा गया 50 हजार का इनामी अमन त्यागी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-126 में पुलिस के साथ मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश अमन त्यागी मारा गया। पुलिस ने बताया कि त्यागी रणदीप भाटी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी तथा गैंगस्टर एक्ट सहित 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में गोली लगने से दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सेक्टर-126 थाना पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रही थी कि तभी बाइक सवार एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने रुकने के बजाय पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर भागने लगा। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश को गोली लगी, जिसके बाद नोएडा के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मृत घोषित किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर जिले के छपार गांव निवासी अमन त्यागी के रूप में हुई है।

पंजाब में आप को दोहरा झटका : दो विधायकों ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो विधायकों, हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जौरामाजरा, ने अपनी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इस घटनाक्रम ने आप के चुनावी समीकरणों पर सवाल खड़े किए हैं। हरमीत सनौर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते थे, जबकि चेतन सिंह जौरामाजरा समाना सीट से विधायक थे। दोनों विधायकों ने अलग-अलग तरीकों से पार्टी छोड़ने की घोषणा की। हरमीत सिंह ने अपना इस्तीफा सीधे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजा और तत्काल प्रभाव से पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। वहीं, पंजाब सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके चेतन सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सदस्यता त्यागने की जानकारी दी। उन्होंने पंजाब में आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा को संबोधित कर अपना इस्तीफा भेजा। यह इस्तीफा तब आया है जब आप ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। हालांकि, इस सूची में सनौर और समाना सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित नहीं किए गए थे, जिन पर अब ये दोनों विधायक काबिज नहीं रहे। इस घटनाक्रम से पंजाब में आप की चुनौतियां बढ़ने की संभावना है।

आजम खान 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, ईडी रिमांड की तैयारी में

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आजम खान को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उन्हें गाजियाबाद की डासना जेल ले जाया जाएगा। यह फैसला जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई के बाद आया है। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) आजम की रिमांड लेने की तैयारी में जुटा है। ईडी सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी अगले एक-दो दिनों में पीएमएलए कोर्ट में उनकी पुलिस कस्टडी (पीसी) रिमांड के लिए आवेदन कर सकती है। यदि अदालत रिमांड देती है, तब ईडी उन्हें लखनऊ ले जाकर जौहर यूनिवर्सिटी की फंडिंग और कथित मनी ट्रेल के संबंध में गहन पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि रविवार को हुई सुनवाई के दौरान, ईडी ने अदालत से आजम की 14 दिन की कस्टडी की मांग की थी। जांच एजेंसी ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े फंड में कथित वित्तीय अनियमितताओं और पैसों के लेन-देन (मनी ट्रेल) को लेकर अपनी दलीलें पेश कीं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि यूनिवर्सिटी की फंडिंग में किस तरह की कथित अनियमितताएं हुई हैं, जिसके आधार पर उन्होंने हिरासत की मांग की थी।

रोहतक में बीजेपी की पदयात्रा : नितिन नवीन का राहुल गांधी पर हमला, बोले-

सिख दंगों के लिए देश से माफी मांगें, प्रदर्शन नहीं

रोहतक, एजेंसी। दिल्ली में इंडिया गठबंधन की रैली के बीच रोहतक में बीजेपी ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर सिख दंगों को लेकर निशाना साधा और ईवीएम व वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा। देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आज 1 नवंबर को इंडिया गठबंधन की ओर से जहां एक ओर 'चलो दिल्ली' महारैली का आयोजन किया जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ हरियाणा के रोहतक जिले में भारतीय जनता पार्टी की ओर से 'संविधान बचाओ-अराजकता हटाओ' अभियान के तहत एक विशाल पदयात्रा निकाली गई। इंडिया गठबंधन की महारैली का मुख्य उद्देश्य चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्नरीक्षण, कथित 'वोट चोरी' के विरोध में प्रदर्शन करना और मुख्य



चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग है। इस विरोध प्रदर्शन में हरियाणा राज्य से भी इंडिया गठबंधन के तमाम बड़े नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। वहीं भाजपा 'संविधान बचाओ-अराजकता हटाओ' मार्च से विपक्ष पर निशाना साध रही है। इस मार्च में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से लेकर राज्य स्तर के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। इस राजनीतिक सरगर्मी के बीच दिल्ली की महारैली और हरियाणा की इस पदयात्रा ने राज्य और देश की सियासत में हलचल तेज कर दी है।

पदयात्रा के दौरान एक बेहद संवेदनशील और मानवता भरा पल तब देखने को मिला, जब रास्ते में अचानक एक एम्बुलेंस आ गई। स्थिति को भांपते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तुरंत अपनी यात्रा रोक दी और कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि जाने दीजिए, पहले मरीज जरूरी है। उनके इस कदम की हर तरफ सराहना की गई। पदयात्रा के दौरान जुटी भीड़ को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर कड़े सियासी प्रहार किए। उन्होंने कहा कि आज के दिन ही देश में सिख विरोधी दंगे हुए थे। राहुल गांधी को आज के दिन सिख दंगों पर देश से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन माफी मांगने के बजाय वे प्रदर्शन करने निकले हैं। कांग्रेस की चुनावी हार और ईवीएम के मुद्दों पर बोलते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कटाक्ष किया कि जब कांग्रेस पार्टी किसी राज्य में चुनाव जीतती है, तब उन्हें ईवीएम बिल्कुल ठीक लगती है, लेकिन जैसे ही वे चुनाव हार जाते हैं, उन्हें तुरंत 'वोट चोरी' और ईवीएम में गड़बड़ी की याद आने लगती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा हमेशा लोकतंत्र का सम्मान करती है और आगे भी जनता की आवाज सुनती रहेगी।

इससे पहले तय कार्यक्रम के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के हेलीपैड पर उतरे, जिसके बाद वे सीआर पॉलिटेक्निक के ग्राउंड में कार्यकताओं के बीच पहुंचे। इससे पहले बहादुरगढ़ पहुंचने पर पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और उन्हें हरियाणा के सम्मान की प्रतीक पगड़ी तथा हुक्का भेंट किया। इस पदयात्रा का रूट काफी चर्चा का विषय रहा, क्योंकि इसे विशेष रूप से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के आवास के ठीक सामने से होकर निकाला गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व सीएम हुड्डा ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मेरे घर के सामने मार्च और प्रदर्शन रखा है, मैं उनका दिल से स्वागत करता हूं। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस तरह के प्रदर्शनों से जनता का उत्साह कम नहीं होगा, बल्कि रामलीला मैदान की रैली में और अधिक लोग शामिल होंगे।

इस पदयात्रा में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भी विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आकार में हरियाणा राज्य भले ही छोटा हो, लेकिन यहां के लोगों ने हमेशा देशहित में बड़े और ऐतिहासिक काम किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार भी लोकतंत्र और संविधान को बचाने का बीड़ा हरियाणा ही उठाएगा। इसके अलावा, हरियाणा की पार्टी प्रभारी स्मृति ईरानी सहित राज्य के कई अन्य वरिष्ठ नेता, मंत्री और विधायक भी इस पदयात्रा में कदम से कदम मिलाकर चले। पदयात्रा के लिए एक विशेष रूप से सजाई गई खुली जीप (रथ) तैयार की गई थी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता सवार होकर पूरे रास्ते शहर के लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर गुवाहाटी तक विस्तारित, मिली केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सरकार ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को हरी झंडी मिलने की जानकारी दी। सीएम सरमा ने निर्णय का जश्न मनाकर लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! यह टिप्पणी हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुई बहस का तीखा जवाब थी, जिसमें एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द पद न छोड़ने की बात कही थी। मुख्यमंत्री सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताकर कहा कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच यात्रा आठ घंटे से भी कम समय में पूरी होगी। उन्होंने इस मंजूरी को पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। सीएम सरमा ने बताया कि यह कॉरिडोर शुरू में सिलीगुड़ी में समाप्त होना था, लेकिन उनके अनुरोध और जुलाई में केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात के बाद, केंद्र ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर पूर्वोत्तर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, जो सरकार सुनती है और काम करती है, वह ऐसी ही दिखती है। इस परियोजना से असम को नई हाई-टेक इंडस्ट्रीज के विकास और दिल्ली व अन्य राज्यों की राजधानियों से तेज व सस्ती कनेक्टिविटी के माध्यम से व्यापार तथा रोजगार के मौकों में वृद्धि होने की उम्मीद है। सीएम सरमा ने कहा कि बुलेट ट्रेन जो कभी असम के लिए दूर का सपना थी, अब हकीकत बन रही है। उन्होंने 7 जून को रेल मंत्री वैष्णव को लिखे पत्र में गुवाहाटी को नॉर्थईस्ट का गेटवे और इलाके का सबसे बड़ा आर्थिक व परिवहन हब बताकर कॉरिडोर के विस्तार की अपील की थी। इसके पहले, केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के उत्तरी गलियारे को मंजूरी दे दी है। यह दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा, और फिर वाराणसी व पटना से होकर गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

मुरासु का खौफ: आंध्र तट पर भारी तबाही की आशंका

अमरावती, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 नवंबर 2026 को दोपहर 11:30 बजे पुष्टि की कि दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में स्थित गहरा डिप्रेशन अब चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में बदल गया है, मुरासु ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में खौफ पैदा कर दिया है। यह तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसके 2 नवंबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान बनने की प्रबल संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 'मुरासु' 2 नवंबर की मध्य रात्रि से 3 नवंबर की सुबह के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जबकि झोंके 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक भी जा सकते हैं।



1 नवंबर दोपहर को यह तूफान चेन्नई से करीब 560 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था और लगातार मजबूत हो रहा है। यह उन इलाकों के लिए दूसरा बड़ा झटका होगा जो हाल ही में चक्रवात अर्नब के असर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और रायलसीमा में 2 और 3 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, कुछ स्थानों पर बेहद भारी बारिश भी हो सकती है। उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी मध्यम बारिश का अनुमान है। तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, बिजली के तारों को नुकसान पहुंचने और निचले इलाकों में व्यापक बाढ़ का खतरा है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है, और स्थानीय प्रशासन ने संभावित आपदा से निपटने के लिए बचाव एवं राहत कार्य की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस चक्रवाती तूफान का नाम 'मुरासु' भारत द्वारा सुझाया गया है। तमिल भाषा में 'मुरासु' का अर्थ है प्राचीन ढोल, जिसका उपयोग पुराने समय में गांवों में महत्वपूर्ण जानकारी फैलाने और प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी देने के लिए किया जाता था। आईएमडी द्वारा यह नाम तब दिया जाता है जब सिस्टम चक्रवाती तूफान की श्रेणी में पहुंच जाता है, जो वर्तमान खतरे की गंभीरता को दर्शाता है।

सीजेपी की दिवाली पार्टी में पहुंचे कई विपक्षी नेता, बढ़ रही विपक्ष से नजदीकियां

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के कुछ नेताओं के बीच नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। शनिवार को सीजेपी नेता सौरव दास की ओर से आयोजित दीपावली पार्टी में टीएमसी, माकपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। इस मुलाकात के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने एक्स पर पोस्ट कर अभिजीत दीपके, सौरव दास और उनकी टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा- शानदार दिवाली शाम के लिए अभिजीत दीपके, सौरव दास और पूरी टीम का धन्यवाद। इस आयोजन को सीजेपी नेताओं और विपक्ष के एक वर्ग के बीच बढ़ते संपर्क के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका भी दिवाली पार्टी में मौजूद रहे। सीजेपी और विपक्षी नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी का यह अकेला उदाहरण नहीं है। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सीजेपी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के समर्थन में कई बार बयान दिए हैं। सीजेपी ने भी सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी। दोनों पक्षों के बीच संपर्क बढ़ने की शुरुआत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को लेकर हुई सार्वजनिक बयानबाजी से मानी जा रही है। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ समानांतर प्रदर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की थी। वहीं सीजेपी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को होने वाली रैली को समर्थन दिया, हालांकि इसमें सीजेपी कार्यकर्ता शामिल नहीं होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के बाद सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कायरता है। राहुल गांधी ने अपने एक अन्य संदेश में छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा था कि अलग-अलग बैनर के बावजूद सभी का मकसद एक ही है, उनके मुताबिक, ये प्रदर्शन नागरिकों के अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है और वे इसे वापस हासिल करेंगे।

नड्डा का इंडिया गठबंधन पर हमला: कांग्रेस के पाप में सहभागिता पर उठाए सवाल

इंडिया गठबंधन की रैली कांग्रेस पार्टी के पतन के ताबूत में आखिरी कील

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन की हालिया मेगा रैली पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से सीधे सवाल किया है कि क्या वे भी कांग्रेस पार्टी के उस पाप में शामिल हैं, जिसमें हमारे सिख भाइयों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया था? केंद्रीय मंत्री नड्डा ने स्पष्ट रूप से कहा कि दिल्ली के व्यापारियों को बर्बाद करने के पाप में भी कांग्रेस भागीदार है, और अब इंडिया गठबंधन के सदस्य इस देश के लोगों से नफरत करने लगे हैं, सिर्फ भाजपा के प्रति अपनी गहरी नफरत के चलते है।

बीजेपी नेता नड्डा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाकर कहा कि वे विदेश जाकर भारत का अपमान करते हैं और देश में आकर भारत के लोकतंत्र तथा अर्थव्यवस्था पर हमला करते हैं। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस और राहुल गांधी का एकमात्र मकसद देश का विकास नहीं, बल्कि अराजकता और तबाही फैलाना है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी देकर कहा कि भारत की जनता अब उनके धोखे में नहीं आने वाली, क्योंकि अराजकता फैलाने के लिए उनकी टूलकिट पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने राहुल गांधी को 1 नवंबर के काले इतिहास और दिल्ली के व्यापारियों के आंसूओं के लिए अपनी जवाबदेही से न बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत लोकतंत्र है, जहां संविधान और जनता का जनादेश चलेगा, न कि दंगा-भड़काने वाली राजनीति कामयाब होगी। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने भविष्यवाणी की कि इंडिया गठबंधन की यह रैली कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक पतन के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। इससे पहले भी, जेपी नड्डा राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं, जैसे चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट, को कमजोर करने का आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और राहुल गांधी चुनाव जीतने पर अपनी काबिलियत का बखान करते हैं, लेकिन हारने पर चुनाव आयोग को दोष देते हैं, जो



उनकी राजनीति की एक चिर-परिचित शैली बन गई है।

सीएम फडणवीस का कांग्रेस पर करारा हमला: आपातकाल में हुई थी संविधान चोरी

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार कर सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर आपातकाल के दौरान संविधान चोरी करने और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। ठाणे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ मार्च को संबोधित कर उन्होंने दावा किया कि जो लोग वोट चोरी का शोर मचाते हैं, असल में वे ही संविधान चोर हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र ने वर्ष 1975 के आपातकाल का जिक्र कर कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के निर्वाचन को रद्द करने संबंधी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद, कांग्रेस सरकार ने न्यायपालिका को उनके चुनाव की जांच करने से रोकने के लिए पूर्वव्यापी संवैधानिक संशोधन लाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ही वह पहली पार्टी थी जो कि संविधान, न्यायपालिका और देश के लोकतंत्र को कमजोर किया। फडणवीस ने 42वें संविधान संशोधन का हवाला देकर कहा कि कांग्रेस सरकार ने सुनियोजित तरीके से मौलिक अधिकारों की



सुरक्षा करने वाले प्रावधानों को कमजोर कर दिया था, जिन्हें 1977 में जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद बहाल किया गया।

सीएम फडणवीस ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय ताकतें और सोशल मीडिया एल्गोरिदम देश में अराजकता फैलाने के लिए गलत सूचनाएं फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम हटाए जाने को लेकर विपक्ष की चिंता पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा अंतिम घुसपैठिए का नाम हटाए जाने तक अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत का उल्लेख कर कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय आदर्शों के लिए बलिदान की समृद्ध परंपरा रही है। सीएम फडणवीस ने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र बचाओ मार्च एक बड़े संघर्ष की शुरुआत है और पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण तक नहीं रुकेगी।

हिंसा के खिलाफ इंफाल में उमड़ा जनसैलाब, दी फाइनल वॉर्निंग

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के नोने जिले में हाल ही में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत और जारी हिंसा के विरोध में राजधानी इंफाल की सड़कों पर शनिवार को हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (कोकोमी) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों के आह्वान पर निकाली गई इस विशाल महारैली में राज्य के घाटी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शनकारियों ने मौजूदा सरकार को फाइनल वॉर्निंग देते हुए मांग की है कि यदि सरकार राज्य में पूरी तरह शांति बहाल करने में असमर्थ है, तो उसे तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। क्राकीथेल स्थित टिडिम ग्राउंड से शुरू हुई इस रैली का उद्देश्य लंबे समय से जारी संघर्ष को समाप्त करना और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करना था।

राहुल गांधी के बुलावे पर प्रियंका चतुर्वेदी का तंज: मोदी जी ने बुलाया, तब मैं क्या करूं?

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी राजनीतिक यात्रा, कांग्रेस में वापसी की संभावना और महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति पर खुलकर बात की। जब प्रियंका से पूछा गया कि अगर राहुल गांधी उन्हें फोन करके कांग्रेस में वापस आने को कहें, तब उनका जवाब क्या होगा, तब प्रियंका ने एक दिलचस्प और तंज भरा उत्तर दिया। उन्होंने कहा, मैं पूछूंगी कि मोदी जी ने बुलाया तब मैं क्या करूं? यह बयान राजनीतिक गलियारों में खासा चर्चा का विषय बन गया है।

कांग्रेस छोड़ने के अपने पुराने फैसले पर उन्होंने कहा कि एक समय था जब उनके लिए पार्टी में स्थितियां काफी नकारात्मक हो गई थीं और उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी निराशा महसूस होने लगी थी। उन्होंने जोड़ा कि कुछ लोगों का उनसे जुड़ा जुनून अभी भी खत्म नहीं हुआ है। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपनी आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर देकर कहा कि वह हमेशा काम करते रहने और खुद को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में विश्वास रखती हैं। युवाओं से जुड़ने की भाषा के सवाल पर उन्होंने टिप्पणी की कि कई बार नेता जेन-जी की भाषा का इस्तेमाल कर कूल दिखने की



कोशिश करते हैं जो अजीब और क्रिंज लग सकता है। उनका मानना है कि युवाओं से जुड़ने के लिए जबरदस्ती उनकी भाषा बोलना जरूरी नहीं है।

महाराष्ट्र में हुए सत्ता परिवर्तन और पार्टी के विभाजन पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी को कोई ऑफर मिलता है और वह उस स्वीकार कर लेता है, तब यह दर्शाता है कि पूरा घटनाक्रम पहले से ही सुनियोजित था। उन्होंने अपनी पार्टी के संवैधानिक प्रक्रियाओं में विश्वास पर जोर दिया और सुप्रीम कोर्ट को जलाने जैसी हिंसात्मक बयानबाजी का विरोध किया। इंटरव्यू के दौरान, हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने खुद को रील बनाने में नंबर वन बताया और अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने पर मैं अपनी फेवरेट हूं शीर्षक चुना।



माधवन बने हॉरर फिल्म के हीरो, निर्देशक बोले- ऐसा खौफ कभी नहीं देखा होगा

मुंबई। आर माधवन जल्द ही निर्देशक विशाल फुरिया की अगली हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। 'छोरी' और 'मां' जैसी हॉरर फिल्मों के लिए मशहूर विशाल ने बताया कि माधवन इस फिल्म के लिए उनकी पहली और इकलौती पसंद थे। फिल्म की शूटिंग साल 2027 की शुरुआत में शुरू होगी। इसे रोहित रंजन अपने प्रोडक्शन हाउस फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड के बैनर तले बना रहे हैं। विशाल का कहना है कि वो दर्शकों को भारतीय हॉरर सिनेमा में पहले कभी न देखा गया डर दिखाना चाहते हैं। माधवन '13बी' और 'शैतान' जैसी हॉरर फिल्मों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा वो विशाल फुरिया की फिल्म 'मां' में कैमियो करते भी नजर आए थे। अब दोनों की इस नई फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

लाइफ Style

जाह्नवी

शिखर के साथ कब शादी करेंगी, खोला राज

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया के रिश्ते पर उनके फैंस की नजरें हमेशा बनी रहती हैं। करण जौहर के 'कॉफी विद करण' के 9वें सीजन में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड संग भविष्य की योजनाओं पर बात की।

जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया के रिश्ते पर उनके फैंस की नजरें हमेशा बनी रहती हैं। करण जौहर के 'कॉफी विद करण' के 9वें सीजन में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड संग भविष्य की योजनाओं पर बात की। होस्ट करण ने एक सवाल में जाह्नवी से उनकी लव लाइफ और शादी की योजना के बारे में पूछा, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी उनकी शादी तय नहीं हुई है, लेकिन एक आइडियल टाइमलाइन बताकर फैंस को उत्साहित कर दिया। अभिनेत्री ने करण के सवाल पर स्पष्ट किया कि उन्हें अभी उनकी शादी के लिए कितना लंबा इंतजार करना होगा। तो अभिनेत्री जाह्नवी ने कहा, अभी अगले 2 से 3 साल तक नहीं। बातचीत के दौरान करण ने अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा, खुशी कपूर और वेदांग रैना, और वीर पहाड़िया व तारा सुतारिया के रिश्ते पर जिक्र किया। इस पर जाह्नवी ने कहा, मैंने दूसरे लोगों के साथ अपने अलग-अलग ब्रेकअप के बाद भी एक-दूसरे के साथ मैनेज किया। हम मैनेज करने में अच्छे हैं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने और शिखर ने दूसरे लोगों के साथ अलग-अलग ब्रेकअप के बावजूद अपने रिश्ते को बनाए रखा है। बता दें कि चैट शो में जाह्नवी के साथ वरुण धवन भी पहुंचे थे।



हॉलीवुड मसाला

दिग्गज अभिनेता स्टीवर्ट नहीं रहे

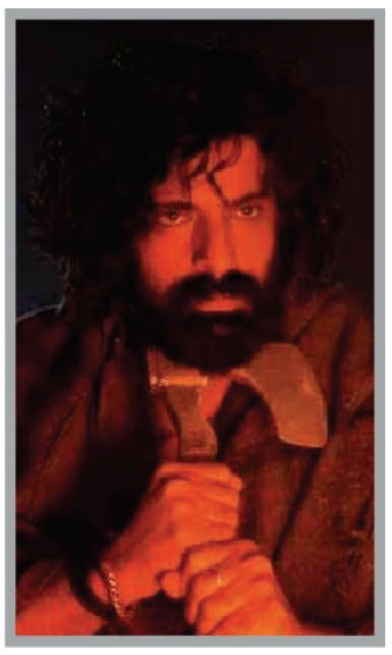


लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सर पैट्रिक स्टीवर्ट अब हमारे बीच नहीं रहे। मार्वल की मशहूर एक्स-मेन सीरीज में प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर का लोकप्रिय किरदार निभाकर उन्होंने सिनेमा जगत में अपनी खास पहचान बनाई थी। 86 वर्षीय अभिनेता पिछले कुछ समय से अल्जाइमर और लेवी बॉडी डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। स्टीवर्ट के परिवार ने सोशल मीडिया पर एक बयान के जरिए उनके निधन की पुष्टि की है।



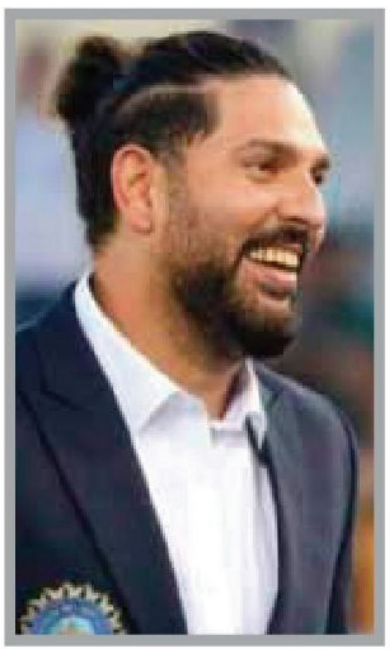
'जुमांजी: ओपन वर्ल्ड' का नया हिंदी ट्रेलर जारी...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार ड्वेन जॉनसन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जुमांजी: ओपन वर्ल्ड' का नया ट्रेलर आ गया है। फिल्म में जैक ब्लैक, केविन हार्ट और कैरेन गिलन भी अपने-अपने लोकप्रिय किरदारों के साथ जंगल का घमासान लेकर लौट आए हैं। इस बार रोमांच जंगलों में नहीं, बल्कि शहर के अंदर दिखेगा। फिल्म का ट्रेलर पहले से ज्यादा खतरनाक खेल और चारों तरफ खतरे के होने का संकेत देता है। उस पर जैक और केविन की जबरदस्त कॉमेडी हंसी की डोज देती है। सोनी पिक्चर्स इंडिया ने ट्रेलर जारी किया है, जिसकी शुरुआत सड़कों पर मची उथल-पुथल से होती है। दरअसल, खेल का कंसोल टूट गया है और वीडियो गेम के किरदार असली दुनिया में आकर 'डेमो मोड' में फंस गए हैं।



मोहित ने खोला अपने किरदार का राज...

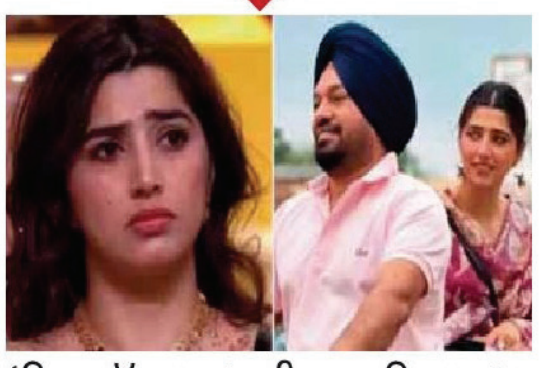
मुंबई। अभिनेता मोहित मलिक फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' में बीरजू लोहार का किरदार निभा रहे हैं। उनका कहना है कि बीरजू को सिर्फ अच्छा या बुरा कहना सही नहीं होगा, क्योंकि उसके किरदार में कई कमियां हैं और वो हमेशा सही फैसले नहीं लेता। मोहित के मुताबिक, यही बातें इस किरदार को दिलचस्प बनाती हैं। एक अभिनेता के तौर पर वो किसी भी किरदार को सही या गलत के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उसकी वजहों और भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं। 'मिर्जापुर: द मूवी' में एक बार फिर दर्शकों को कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया की दुनिया देखने को मिल रही है। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म वेब सीरीज की कहानी को सीधे आगे बढ़ाने के बजाय पहले सीजन की घटनाओं के बीच की एक अनकही कहानी दिखाती है।



युवराज ने बायोपिक पर दिया बड़ा अपडेट

मुंबई। स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 6 छक्के जड़ने से लेकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को हराकर मैदान पर वापसी करने तक पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह की जीवन यात्रा प्रेरणादायक रही है। हाल ही में एक खास बातचीत में इस दिग्गज ऑलराउंडर ने अपनी फिटनेस और क्रिकेट के बाद की अपनी नई पारी पर खुलकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने अपनी बहुप्रतीक्षित बायोपिक को लेकर भी बड़ा अपडेट साझा किया है। मिड डे के साथ हुई एक बातचीत में युवी ने अपनी कैंसर से जंग को याद करते हुए कहा, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। एक समय मैं भी इस पर बात करने से डरता था कि कहीं मेरा क्रिकेट करियर खत्म न हो जाए, लेकिन मेरे सफर ने लोगों को प्रेरित किया। मानसिक सेहत बहुत महत्वपूर्ण है और मुश्किल दौर में परिवार व दोस्तों से बात करना बेहद जरूरी है।

टीवी मसाला

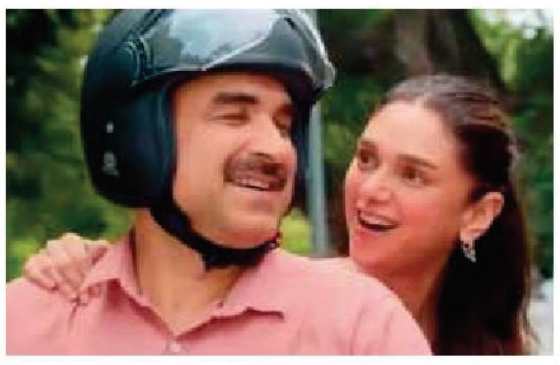


'बिग बॉस 20' की लव गिल संग नाम जुड़ने पर भड़के गुरप्रीत

मुंबई। सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' में नजर आ रहीं लव गिल और पंजाबी अभिनेता गुरप्रीत घुग्गी के कथित अफेयर की खबरें कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर छाई हैं। हालांकि, अब अभिनेता ने इन अफवाहों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। एक वीडियो स्टेटमेंट में विवाद पर बात करते हुए, गुरप्रीत ने इन दावों को अपनी इमेज खराब करने का एक कथित एजेंडा बताया और संकेत दिया कि वह मामले को कोर्ट में ले जाएंगे।

पंकज और अदिति की 'पारिवारिक मनुरंजन' ओटीटी पर देगी दस्तक

मुंबई। पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार फिल्म 'पारिवारिक मनुरंजन' के जरिए साथ आ रहे हैं। यह एक हल्की-फुल्की पारिवारिक मनोरंजक ड्रामा है, जिसे जिसका टीजर कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर जारी हुआ था। अब फिल्म की ओटीटी रिलीज तारीख पर अपडेट आ गया है। रोमांस और ह्यूमर से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन वरुण वी शर्मा ने किया है। वहीं, निर्माता विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, हिमांशु किशन मेहरा और एलिसिया जफर हैं।



दिवाली के ठीक बाद ओटीटी पर आएगी फिल्म

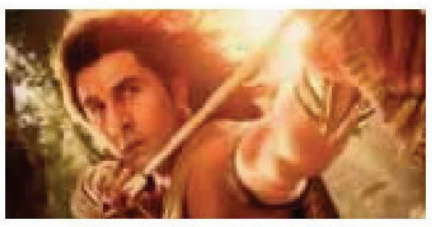
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, 'पारिवारिक मनुरंजन' का प्रीमियर दिवाली के ठीक बाद 13 नवंबर, 2026 को सोनी लिव पर होगा। इसका लुत्फ सब्सक्रिप्शन यूजर्स उठा सकते हैं। फिल्म के टीजर में पारिवारिक संबंधों, बॉन्ड और लोगों को एक साथ लाने वाली रोजमर्रा की परिस्थिति के बारे में एक हल्की-फुल्की कहानी की झलक पेश की गई है। निर्माता इसके जरिए एक ऐसी कहानी दर्शकों के लिए लाए हैं, जिसे वह अपने प्रियजनों के साथ देख सकेंगे।

मुंबई। रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये पौराणिक फिल्म दिवाली से ठीक पहले रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज में हफ्ते भर से भी कम समय बचा है, इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसे सेंसर प्रमाणपत्र दे दिया है। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, फिल्म की सेंसर प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हो गई है।

रणबीर की 'रामायण' में नहीं चली सेंसर बोर्ड की कैंची...

बिना कट के पास हुई 'रामायण'

सेंसर बोर्ड ने 'रामायण' को बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया है यानी इसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर देख सकता है। फिल्म की कुल लंबाई 3 घंटे 15 मिनट होगी। बोर्ड के मुताबिक, रावण के अत्याचार बढ़ने पर भगवान विष्णु श्रीराम के रूप में जन्म लेते हैं। पिता का वचन निभाने के लिए राम, सीता और लक्ष्मण वनवास जाते हैं। वहां रावण सीता का हरण कर लेता है, जिसके बाद राम और रावण के बीच युद्ध होता है।



6 भाषाओं और 5 बड़े फॉर्मेट्स में रिलीज होगी 'रामायण'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' का निर्माण नमित मल्होत्रा (प्राइम फोकस स्टूडियोज) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस) ने मिलकर किया है। इस भव्य फिल्म में सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल और लारा दत्ता जैसे कई सितारे नजर आएंगे। ये फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम और अंग्रेजी में सभी स्क्रीन फॉर्मेट में व सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है।

'रामायण' के खौफ से टली 'गोडजिला' की रिलीज

'रामायण' के भारत में आईमैक्स 3डी में रिलीज होने से स्क्रीन्स की भारी मांग है। सिनेमाघरों की पहली पसंद 'रामायण' होने के कारण 'गोडजिला माइनस जीरो' की रिलीज टलकर 20 नवंबर हो सकती है, क्योंकि दूसरी फिल्मों को पर्याप्त स्क्रीन नहीं मिल पा रही हैं। इसी बीच, 4 नवंबर को 'रामायण' के करीब 300 स्पेशल (पेड प्रीव्यू) शो दिखाए जाएंगे, जिससे रिलीज से पहले ही बंपर कमाई की उम्मीद है।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC
VOCATIONAL
IIT
MANAGEMENT
ENGINEERING
AICTE
INTERMEDIATE
UG & PG
LAW
NCTE
MBBS
ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.